वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 15 पृष्ठ : 8 मुल्य: 5:00 रायपुर, रविवार 21 दिसंबर, 2025 www.sakarbharat.com

योग ने दुनिया को दिखाया स्वास्थ्य का मार्ग; आयुष का बढ़ा मान: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के समापन पर आयुष मार्क और माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल जैसी ऐतिहासिक आयुष पहलों का अनावरण किया। उन्होंने योग को पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का मार्ग बताया, जो पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को स्पष्ट करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष क्षेत्र के लिए एक मास्टर डिजिटल पोर्टल, माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी) सहित कई ऐतिहासिक आयुष पहलों का शुभारंभ किया और आयुष मार्क का अनावरण किया, जिसे आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दूसरी पारंपरिक चिकित्सा पर डब्ल्यूएचओ का वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन दिन है। पिछले 3 दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशेषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है। मुझे खुशी है कि भारत इसके लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है और इसमें ॖ।ॡ की भी सक्रिय भूमिका रही है।

मोदी ने कहा कि मैं इस सफल आयोजन के लिए **WHO** का, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय

का और यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों के हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है और भारत के लिए गौरव की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्र भारत के जामनगर में स्थापित हुआ है। 2022 में पारंपरिक चिकित्सा की पहली समिट में विश्व ने बड़े भरोसे के साथ हमें ये दायित्व सौंपा था। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में पारंपरिक चिकित्सा और आधुनिक पद्धतियों का संगम होता है, जिससे नवाचार के लिए एक अनूठा मंच तैयार होता है। कई नई पहलें शुरू की गई हैं जिनमें चिकित्सा विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य के भविष्य को बदलने की क्षमता है।

इस समिट में कई अहम विषयों और सहमति बनना हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतिबिंब है। अनुसंधान को मजबूत करना, पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अंकीय प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाना, ऐसे विनियामक ढाँचा तैयार करना जिनपर पूरी दुनिया भरोसा कर सके। ऐसे मुद्दे पारंपरिक चिकित्सा को बहुत सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग भी है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रयासों और 175 से ज्यादा देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किया गया था। बीते वर्षों में हमने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचते देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली में **WHO** के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया है। ये भारत की तरफ से एक विनम्र उपहार है। ये एक ऐसा ग्लोबल हब है, जहां से अनुसंधान, विनियमन और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में संतुलन, अर्थात् संतुलन को स्वास्थ्य का पर्याय कहा गया है।

होरा निवास पहुंचे हरिभूमि-inh के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, माता स्वर्गीय प्रकाश कौर होरा को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा की स्वर्गीय माता प्रकाश कौर होरा के निधन पर शोक व्यक्त करने शनिवार को वरिष्ठ पत्रकार एवं **INH** और हरिभूमि अखबार के प्रधान संपादक हिमांशु द्विवेदी देवेंद्र नगर स्थित होरा निवास पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय प्रकाश कौर होरा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर परिवार के बड़े भाई दिलेर सिंह होरा भी उपस्थित रहे।

प्रधान संपादक द्विवेदी ने कहा कि स्वर्गीय प्रकाश कौर होरा का सादगीपूर्ण जीवन, गहरी धार्मिक आस्था और संस्कारों से परिपूर्ण व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दिए गए संस्कार और पारिवारिक मूल्यों की छाप सदैव परिवारजनों के साथ बनी रहेगी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार को संबल दें।

प्रधान संपादक द्विवेदी की इस आत्मीय शोक संवेदना पर चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा ने उनका आभार व्यक्त किया।

सीएम साय ने वीर साहिबजादों को किया भावपूर्ण नमन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शौर्य और संस्कार का संदेश दिय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित वीर बाल रैली में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस भव्य रैली में लगभग 5,000 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं, स्काउट-गाइड एवं एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। रैली में सिख परंपरा की वीरता को दर्शाती गतका जैसी साहसिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रेरणादायी झांकियों ने उपस्थित जनसमूह को गहरे भावनात्मक स्तर पर जोड़ा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में हम दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों — बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी — के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल 9 वर्ष और 7 वर्ष की अल्पायु में साहिबजादों ने जिस अदम्य साहस, आस्था और बलिदान का परिचय दिया, वह मानव इतिहास में अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में भी साहिबजादे किसी दबाव के आगे नहीं झुके, अपनी आस्था से विचलित नहीं हुए और धर्म एवं सत्य की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह बलिदान केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। श्री साय ने कहा कि सिख धर्म की यह गौरवशाली परंपरा हम सभी के लिए गर्व का विषय है। नई पीढ़ी को साहिबजादों के बलिदान और मूल्यों से परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 से वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे बच्चों और युवाओं में शौर्य, साहस और राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम साहिबजादों के जीवन को देखते हैं, तो हमें दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षाओं पर गर्व होता है। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनकी प्रेरक पंक्तियाँ 'सवा लाख से एक लड़ाऊँ, चिड़ियन ते मैं बाज लड़ाऊँ, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहलाऊँ।' आज भी हर भारतीय के भीतर साहस और संघर्ष की चेतना जागृत करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का छत्तीसगढ़ दौराः कल जांजगीर आएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर 22 दिसंबर को जांजगीर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस खास मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसे लेकर पार्टी संगठन और प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

बीजेपी नेताओं से मिली जानकारी के मुताबिक, जेपी नड्डा 22 दिसंबर को दोपहर 12.15 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। रायपुर पहुंचने के बाद वे सीधे हेलिकॉप्टर से जांजगीर के लिए रवाना होंगे।

जांजगीर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा

के वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के सामने रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विकास कार्यों, सुशासन और जनहित योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही, लाभार्थियों से संवाद और सम्मान कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

कार्रवाई करने पहुंची आबकारी टीम पर हमला, अधिकारी को बनाया बंधक

कोरबा। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने टीम पर हमला कर दिया। इस घटना में टीम प्रभारी नारायण सिंह कंवर को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया, जबकि मुखबीर और वाहन चालक की जमकर पिटाई की गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग की टीम अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गांव पहुंची थी। इसी दौरान ग्रामीण उग्र हो गए और टीम को घेर लिया। आरोप है कि ग्रामीणों ने टीम प्रभारी नारायण सिंह कंवर

को रोककर बंधक बना लिया, जबकि मुखबीर पताड़ी निवासी प्रमोद देवांगन के साथ मारपीट की गई। स्कॉर्पियो वाहन के चालक के साथ भी मारपीट की गई और आबकारी विभाग के वाहन में तोड़फोड़ की गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि मुखबीर प्रमोद देवांगन लगातार मुखबिरी कर कार्रवाई करवाता है और अवैध वसूली में भी शामिल है। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में पहले से आक्रोश था, जो कार्रवाई के दौरान हिंसक रूप ले बैठा। घटना के दौरान आबकारी विभाग के अन्य कर्मचारी किसी तरह मौके से जान बचाकर निकलने में सफल रहे और तत्काल उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

रायपुर में अटल नगर बनेगा नया तहसील, अधिसूचना जारी :39 गावों होंगे शामिल

रायपुर। रायपुर जिले में नई तहसील के गठन की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नवा रायपुर अटल नगर को नई तहसील के रूप में सृजित करने का प्रस्ताव जारी किया गया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार (19 दिसंबर) को छत्तीसगढ़ राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है।

जारी अधिसूचना के अनुसार, रायपुर जिले की वर्तमान तहसील रायपुर, मंदिर हसौद, गोबरा नवापारा और अभनपुर की सीमाओं में परिवर्तन कर नवा रायपुर अटल नगर तहसील का गठन किया जाएगा।

अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के अंदर इस प्रस्ताव पर आपत्ति या सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक नागरिक सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, कैपिटल कॉम्प्लेक्स, नवा रायपुर अटल नगर को लिखित रूप में आपत्ति या सुझाव भेज सकते हैं।

प्रस्तावित नई तहसील में कुल 6 राजस्व निरीक्षक मंडलों के अंतर्गत 20 पटवारी हल्कों के 39 गांव शामिल होंगे। इनमें पलौद, मंदिर हसौद, केंद्री, तोरला, सेरीखेडी और रायपुर-18 कांदुल क्षेत्र के गांव शामिल हैं।

नई तहसील की सीमाओं के संबंध में अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि उत्तर में मंदिर हसौद, दक्षिण में अभनपुर, पूर्व में गोबरा नवापारा और पश्चिम में रायपुर स्थित हैं।

पूजा और धन आगमन के वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा करते समय व्यक्ति का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना सबसे शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा सूर्य की और उत्तर दिशा कुबेर की मानी जाती है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और एकाग्रता बढ़ती है। पूजा के समय दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठने से बचना चाहिए। घर में धन आगमन के लिए तिजोरी उत्तर दिशा में, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा, शंख, कुबेर यंत्र, साफ-सुथरा पूजा स्थान और हरी पौधों का होना शुभ माना जाता है। साथ ही घर में नियमित सफाई, दीपक जलाना और नकारात्मक वस्तुओं को हटाना भी आर्थिक समृद्धि को बढ़ाता है। सकारात्मक सोच और श्रद्धा के साथ की गई पूजा से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कॉल करें: 9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

23-25 दिसम्बर तक राज्य युवा महोत्सव, 3100 युवा करेंगे भागीदारी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्य युवा महोत्सव के पोस्टर का किया विमोचन

रायपुर। न्यायधानी बिलासपुर में आगामी 23 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक आयोजित राज्य युवा महोत्सव-2025 में 3100 युवा भागीदारी करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में इसका आयोजन किया जा रहा है। इसमें जिला स्तरीय युवा उत्सव के विजेता प्रतिभागी 14 विधाओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। राज्य युवा महोत्सव के विजेता प्रतिभागी अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। 23 दिसम्बर को महोत्सव के उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ की मेजबानी में होने वाले प्रथम खेलो इण्डिया ट्रायबल गेम्स की लॉन्चिंग सेरेमनी भी होगी। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं मंचीय कार्यक्रम भी होंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रेस-कॉन्फ्रेंस में राज्य युवा महोत्सव के दौरान होने वाले प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में

महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनूजा सलाम भी प्रेस-कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करने राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 के तारतम्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला एवं राज्य स्तर पर युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राज्य के सभी जिलों में युवा महोत्सव का जिला स्तरीय आयोजन 24 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक किया गया था। जिला स्तर पर 14 विभिन्न विधाओं के विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में हिस्सेदारी करेंगे।

राज्य युवा महोत्सव में 14 विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें 8 दलीय विधाएं और 6 एकल विधाएं शामिल हैं। दलीय विधाओं में लोकनृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोकगीत, रॉक बैंड और एकांकी की प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं एकल विधाओं में वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार (साइंस मेला) और पारंपरिक वेशभूषा शामिल हैं।

जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में कर्मचारी संगठनों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई

दुर्ग। जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और विभागीय अधिकारियों के मध्य अधिकारी-कर्मचारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन, छत्तीसगढ़ लिपकीय वर्गी शासकीय कर्मचारी

संघ, छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस, छत्तीसगढ़ टीचर एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ, आदिम जाति कल्याण विभाग कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ सहायक पशुचिकित्सक क्षेत्र अधिकारी संघ, राजस्व पटवारी संघ और छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की एजेण्डा पर विस्तारपूर्वक रायशुमारी कर निराकरण के प्रयास किये गये। कलेक्टर सिंह ने विभागीय अधिकारियों से विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया, विभागों में वरिष्ठता सूची का प्रकाशन, विभागीय जांच, सेवा पुस्तिका संधारण, सेवा निवृत्ति उपरान्त कर्मचारियों के देय स्वत्वों का भुगतान, कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण, चिकित्सक देयक, यात्रा भत्ता देयक, मातृत्व अवकाश, संतान पालन अवकाश, वेतन भुगतान आदि के संबंध में विभागवार जानकारी ली तथा अधिकारियों को कर्मचारी हित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग में अधिकारी-कर्मचारियों का वरीयता सूची का प्रकाशन समय पर हो, प्रकाशन पूर्व सूची का दावे आपत्तियां आमंत्रित की जाए। इसी प्रकार विभागीय जांच की कार्यवाही पर तत्परता बरते। बजट के अभाव में स्वत्वों का भुगतान के संबंध में पास फार पेयमेंट कर आवश्यक बजट विभाग से मंगायी जाए। सेवा निवृत्ति पूर्व सभी स्वत्वों का भुगतान एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करायी जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त डी. राजपूत, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी तथा विभिन्न कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनजागरूकता बढ़ाने पल्स पोलियो प्रचार वाहन रवाना, घर-घर दिया जाएगा संदेश

दुर्ग। 'देश का भविष्य बचाओ, पोलियो की दवा हर बार पिलाओ' के संदेश के साथ राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान की जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभियान का संचालन कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

पल्स पोलियो अभियान के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा वाहन को रवाना किया गया। यह वाहन विभिन्न वार्डो, बस्तियों एवं प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए लाउडस्पीकर के माध्यम से पल्स पोलियो अभियान की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा। पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को 21 दिसंबर 2025 को निर्धारित बूथों पर तथा 22 एवं 23 दिसंबर को घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। दुर्ग जिले में कुल 2 लाख 59 हजार 188 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शत-प्रतिशत सफलता हेतु शहरी दुर्ग में 127, शहरी भिलाई 223, शहरी चरोदा 55, धमधा 214, पाटन 236 एवं निकुम में 137 बूथ बनाया गया।

तृतीय लिंग समुदाय के उत्थान हेतु कार्यशाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

दुर्ग। शासन के निर्देशानुसार रजत जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु कार्यशाला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन आज 19 दिसंबर 2025 को विवेकानंद ऑडिटोरियम, साक्षरता भवन दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम में जिले के 109 तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवनारायण चन्द्राकर, प्रभारी लोक कर्म विभाग, नगर पालिक निगम दुर्ग रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग ए.पी. गौतम ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सौरभ सेन्ड्रे एवं आदेश कुमार रामटेके (अधिवक्ता, जिला विधिक सहायता) तथा त्रिलोकचंद चौधरी, सदस्य जिला स्तरीय तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड उपस्थित रहे।

धान की अच्छी कीमत ने बढ़ाया किसान युगल किशोर का हौसला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और धान खरीदी की सुदृढ़ व्यवस्था ने किसानों के जीवन में समृद्धि के नए द्वार खोल दिए हैं। शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी और समय पर भुगतान से किसानों का खेती के प्रति उत्साह दोगुना हो गया है। इसी कड़ी में ग्राम फेकारी के प्रगतिशील किसान युगल किशोर साहू की कहानी खुशहाली की एक नई इबारत लिख रही है। ग्राम फेकारी निवासी किसान युगल किशोर साहू ने बताया कि वे साढ़े सात एकड़ रकबे में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष शासन की बेहतर व्यवस्था के चलते उन्होंने अपनी फसल बेची है, जिससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त हुई है। युगल किशोर के चेहरे की मुस्कान उनकी आर्थिक मजबूती को स्वत: ही बयां कर रही है। श्री साहू ने उत्साहपूर्वक बताया कि खेती से हुई इस आय का उपयोग वे अपने परिवार के सामाजिक और घरेलू कार्यों में कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कमाई से वे अपने घर का निर्माण कार्य (नया घर बनाना) पूर्ण कर रहे हैं। साथ ही, परिवार में बच्चों के विवाह और अन्य आयोजनों जैसे 'छट्ठी' आदि के खर्चों को भी वे अब बिना किसी वित्तीय बोझ के आसानी से वहन कर पा रहे हैं। कृषक युगल किशोर केवल धान तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे खेती में विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे धान के साथ-साथ चना, मटर और लाखड़ी (तिवड़ा) जैसी दलहन फसलों की भी पैदावार कर रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है।

तकनीक सहयोग और मेहनत से बदली खेती की तस्वीर

सब्जी उत्पादन में आत्मनिर्भरता की मिसाल बना सतीश पाठक

रायपुर। शासन की मंशा है कि किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर तकनीक आधारित, लाभकारी और टिकाऊ खेती को अपनाएं, जिससे उनकी आमदनी बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसी सोच और नीतियों से कोण्डागांव जिले के केशकाल विकासखंड के ग्राम बहीगांव निवासी श्री सतीश पाठक ने आधुनिक उद्यानिकी खेती अपनाकर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए। 50 वर्षीय श्री सतीश पाठक ने हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की है। सीमित शैक्षणिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि सीखने की इच्छा और मेहनत का जज्बा हो, तो खेती भी समृद्धि का सशक्त माध्यम बन सकती है।

पाठक वर्तमान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत लाभ लेकर आधुनिक तकनीकों के साथ खेती कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में श्री पाठक ने 2.275 हेक्टेयर रकबे में ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग तकनीक को अपनाकर टमाटर की खेती प्रारंभ की। इससे पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिसमें उन्हें लगभग 100 क्विंटल उत्पादन ही हो पाता था। लेकिन जब उन्होंने वैज्ञानिक पद्धति, उन्नत बीज, नियंत्रित सिंचाई और मल्चिंग का उपयोग शुरू किया, तो उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज उनके खेत से टमाटर का उत्पादन बढ़कर 180 क्विंटल तक पहुँच गया है। उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ लागत में कमी और गुणवत्ता में सुधार के कारण श्री पाठक को खेती से प्रतिवर्ष लगभग 4 लाख 35 हजार तक का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। यह शासन की उस नीति की सफलता को दर्शाती है, जिसके तहत किसानों को योजनाओं के माध्यम से तकनीकी सहायता, गुणवत्तापूर्ण बीज, जैविक खाद और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

सतीश पाठक बताते हैं कि करीब पाँच वर्ष पहले उन्होंने गांव में सब्जी की खेती होते देखी और यह समझा कि यदि इसे वैज्ञानिक तरीके से किया जाए, तो यह लाभ का अच्छा साधन बन सकती है। इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया, जहां से उन्हें सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिली। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत उन्हें उन्नत किस्म के बीज, जैविक खाद और तकनीकी मार्गदर्शन मिला, जिसने उनकी खेती की दिशा ही बदल दी। आज श्री पाठक अपनी कुल 5 एकड़ भूमि में तकनीकी पद्धति से टमाटर, बरबट्टी, खीरा और करेला जैसी सब्जियों का बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। फसल चक्र, समय पर सिंचाई, रोग-कीट प्रबंधन और बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए वे खेती की योजना बनाते हैं। सरकार की मंशा है कि हर किसान आत्मनिर्भर बने और खेती को घाटे का नहीं, बल्कि लाभ का व्यवसाय बने।

खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण अभियान

दुर्ग । जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्यौहारी सीजन को देखते हुए सख्ती बढ़ा दी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा छत्तीसगढ़ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न होटल व रेस्टोरेंट्स में जांच कर खाद्य नमूने संकलित किए।खाद्य एवं औषधि प्रशासन से प्राप्त जानकारी अनुसार नेहरू नगर स्क्वेयर स्थित होटल गैन्ड ढिल्लन रेस्टोरेंट से ग्रीन चटनी एवं ब्रेड, झरोखा पैलेस से ओनियन ग्रेवी और चिकन बिरयानी और रेलवे स्टेशन स्थित सागर इंटरनेशनल से मिक्स वेज व टोमेटो सूप के नमूने लिए गए हैं। इन सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी एवं आगे भी खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2005 के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बिमला बाई का साकार हुआ सपना

गरियाबंद। मैनपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मैनपुर खुर्द निवासी श्रीमती बिमला बाई एक साधारण मजदूर महिला हैं, जो प्रतिदिन कठिन परिश्रम कर अपने परिवार की आजीविका चलाती हैं। वर्षों तक वे एक कच्चे और छप्पर वाले मकान में रहने को मजबूर थीं, जहाँ न तो पर्याप्त सुरक्षा थी और न ही मौसम से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम। बरसात के दिनों में टपकती छत, कीचड़ भरा आंगन और जहरीले कीड़े-मकोड़ों का डर उनके लिए आम बात थी। आर्थिक तंगी के कारण वे अपने घर की मरम्मत भी नहीं करा पाती थीं। जिससे उनका और उनके परिवार का जीवन हमेशा असुरक्षा और चिंता में

बीतता था। बिमला बाई लंबे समय से पंचायत के माध्यम से आवास योजना का लाभ पाने के लिए प्रयासरत थीं। आखिरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ। जब उनका स्वयं का मजबूत और सुरक्षित घर बनकर तैयार हुआ, तो यह उनके जीवन का सबसे सुखद और यादगार क्षण बन गया। अब वे अपने परिवार के साथ सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी रही हैं। पक्का मकान मिलने से उनके बच्चों की पढ़ाई का माहौल बेहतर हुआ है और पूरे परिवार को भविष्य को लेकर एक नई उम्मीद मिली है।

जिला जेल में बंदियों की आयु सत्यापन प्रक्रिया का किया गया अवलोकन

गरियाबंद । माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जेलों में निरुद्ध बंदियों की आयु सत्यापन प्रक्रिया के तहत शुक्रवार 19 दिसंबर को जिला जेल गरियाबंद का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण दोपहर 3 बजे अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के पैनल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक कुमार पाण्डेय के निर्देश तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में गठित जेल निरीक्षण समिति में किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमती पूर्णिमा तिवारी एवं श्रीमती

केमेश्वरी साहू, बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती ताकेश्वरी साहू, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री लता नेताम तथा विधिक सह परिविक्षा अधिकारी शरदचंद निषाद शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान समिति द्वारा जिला जेल के कुल पांच बैरकों का अवलोकन किया गया। समिति ने प्रत्येक बंदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी वास्तविक आयु के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के समय जेल में कुल 193 बंदी निरुद्ध पाए गए, जबकि 36 बंदी अपने प्रकरण की अग्रिम कार्यवाही के लिए न्यायालय गए हुए थे। निरीक्षण के दौरान तीन बंदियों ने अपनी आयु 18 वर्ष से कम होने की आशंका जताई।

दैनिक साकार भारत में
विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
मो- 9669000000
मो- 9770290000

गरियाबंद में पहली बार टाइप-1 डायबिटीज बच्चों के लिए रोगी सहायता समूह बैठक

टाइप-1 डायबिटीज एक चुनौती जरूर है, लेकिन यह बच्चों की जिंदगी को सीमित नहीं कर सकती

गरियाबंद। डायबिटीज (बाल मधुमेह) से पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों के लिए पहली बार रोगी सहायता समूह बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक राज्य एनसीडी सेल, जिला स्वास्थ्य समिति गरियाबंद, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ और एमसीसीआर के तकनीकी सहयोग से संपन्न हुई। बैठक में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों को बीमारी से जुड़ी सही जानकारी, उपचार प्रबंधन, भावनात्मक सहयोग और दैनिक जीवन में जरूरी देखभाल के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने टाइप-1 डायबिटीज के कारण, शुरुआती लक्षण, इंसुलिन का सही उपयोग, बच्चों के संतुलित आहार,

स्कूल में देखभाल और रोजमर्रा की सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी। बच्चों और अभिभावकों से संवाद कर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। बैठक के दौरान बच्चों और उनके परिजनों ने अपने अनुभव, चुनौतियां और सफलताएं साझा कीं। जिससे अन्य परिवारों को प्रेरणा मिली और आपसी संवाद से एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ वायके ध्रुव, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ लक्ष्मीकांत जांगड़े, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंकुश वर्मा, जिला नोडल सिकल सेल डॉ सुनील कुमार रेड्डी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम गणपत नायक और प्रभारी अस्पताल सलाहकार डॉ शंकर लाल पटेल मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष कश्यप ने कहा कि टाइप-1 डायबिटीज एक चुनौती जरूर है, लेकिन यह बच्चों की जिंदगी को सीमित नहीं कर सकती। उन्होंने बच्चों को आत्मविश्वास बनाए रखने, नियमित इलाज करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ते रहने का संदेश दिया। वही विशेषज्ञ डॉक्टरो ने बताया कि भारत टाइप-1 डायबिटीज के नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। जानकारी के अभाव, उपचार में लापरवाही और मानसिक दबाव के कारण कई बच्चे गंभीर स्थिति में पहुंच जाते हैं। ऐसे में गरियाबंद जिले में इस तरह की बैठक बच्चों और परिवारों के लिए राहत और जागरूकता का माध्यम बनी है। बैठक में जिले के कुल 17 टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चे एवं उनके परिवारजन शामिल हुए। यूनिसेफ से स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्वेताभ त्रिपाठी तथा एमसीसीआर से डॉ. डी. श्याम कुमार एवं उनकी टीम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टमाटर की खेती ने तोड़ी कमर

फसल कमजोर, सप्लाई कर्नाटक से: बीते दिसंबर से चार गुना ज्यादा दाम, 50 रुपए किलो

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में इस बार मानसून सीजन में देर तक हुई भारी बारिश ने टमाटर की खेती की कमर तोड़ दी है। प्रति एकड़ 15 से 20 टन तक की फसल बर्बाद हो गई। इसका असर बाजार पर दिख रहा है। बीते साल दिसंबर में 10 से 12 रुपए किलो मिलने वाला टमाटर इस साल 45 से 50 रुपए किलो बिक रहा है। इसके अलावा धमधा, लुड़ेग और बिलासपुर की बाड़ियों से आवक अभी सीमित है, इस कारण 75% टमाटर कर्नाटक से आ रहा है।

कई किसानों की पहली फसल पूरी तरह खराब हुई, जबकि दूसरी फसल भी पिछड़ गई। भास्कर ने धमधा और लुड़ेग के किसानों से बात कर उनकी परेशानियां जानीं। दिवाली के बाद आमतौर पर स्थानीय फसल आने से बेंगलुरु से टमाटर की आवक बंद हो जाती थी। इस बार स्थिति उलट है। बिलासपुर संभाग के 8 जिलों से तिफरा थोक मंडी में रोज 200 टन टमाटर आता है, जबकि दुर्ग और बिलासपुर से 50 टन सप्लाई हो रही है।

सबसे बड़े रकबे वाले दुर्ग जिले में तबाही: टमाटर का सबसे ज्यादा रकबा इसी जिले का है। उसमें भी धमधा में ज्यादा खेती होती है। पर इस साल हालात खराब हैं। सूरजपुरा के किसान दिलेश्वर पटेल की 10 में से 8 एकड़ फसल खराब हो गई। गांव के तीन चौथाई फसल तबाह है। डंगनिया, बंधराज और बोरिया में यही हाल है।

छत्तीसगढ़ में 61 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में टमाटर की पैदावार 10.35 लाख टन से ज्यादा होती है। उद्यानिकी विभाग के अनुसार दुर्ग में सर्वाधिक करीब साढ़े 9 हजार हेक्टेयर, जशपुर में 5 हजार, कोंडागांव में 4 हजार, रायगढ़ और बिलासपुर में 3.5 हजार हेक्टेयर में टमाटर उगता है। बीते 5 साल में टमाटर का रकबा 3502 हेक्टेयर घटा है। 2019-20 में 64,717 हेक्टेयर में खेती हुई थी, जो 2023-24 में घटकर 61,215 हेक्टेयर रह गई।

जशपुर के पत्थलगांव, लुड़ेग और आसपास के इलाकों में टमाटर किसानों को दाम तो अच्छे मिल रहे हैं, लेकिन पैदावार आधी है। किसान जितेंद्र खुंटिया के मुताबिक एक एकड़ में जहां 800 कैरेट निकलते थे, इस बार 400 कैरेट भी मुश्किल हैं। लुड़ेग बाजार में 100 पिकअप की जगह अब 20 पिकअप ही आ रहे हैं। सरईटोला, डूमरबहार, लुडेग, चिकनीपानी के किसान नुकसान में हैं। सेंदरी के किसान सुरेंद्र कश्यप बताते हैं कि बारिश से पहले लगाई गई फसल पूरी तरह तबाह हो गई। दोबारा बुवाई करनी पड़ी। विंध्यासार के मनीष कश्यप के अनुसार ब्लाइट रोग ने नुकसान पहुंचाया। रतनपुर के अशरफ बेग कहते हैं कि बारिश से फंगस फैल गया, जिससे पहले जहां एक पौधे से 14 किलो फल मिलता था, अब आधा मिलना भी मुश्किल है। फसल फरवरी में आएगी।

जिले में 278149 बच्चों को पिलाएं जाएंगे दो बूंद जिंदगी की

बिलासपुर। जिले में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान का आयोजन दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को किया जाना है। अभियान के प्रथम दिवस में पोलियो बूथ तथा माप-अप दिवसों (दिनांक 22 एवं 23 दिसम्बर 2025) को गृह भेंट कर 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया जाना है। इस हेतु डॉ. शुभा गरेवाल, सीएमएचओ द्वारा इस अभियान की व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला कार्यालय से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किये गये। इस दौरान स्वास्थ्य के डॉ. रक्षित जोगी डीएसओ, प्रभारी पल्स पोलियो अभियान, सुश्री प्यूली मजूमदार डीपीएम, श्रीमती एसआर राम बीईटीओ, डॉ. टारजन आदिले सीपीएम, अमित स्कॉट डीपीएचएनओ, प्रदीप राय डीटीसी, डॉ. अनुपम नाहक सलाहकार, दिनेश कुमार सिंगरौल सक्रेटेरियल असिस्टेन्ट सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

एक भी बच्चा पोलियो दवा पीने से न छूटे, इसके लिए लिए जिले में 1520 पोलियो बूथ बनाया गया है। यह पोलियो बूथ जिला चिकित्सालय, सिम्स, समस्त शासकीय अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्रों सहित आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित होगा। जिले में शून्य से 05 वर्ष के लक्षित कुल 278149 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जायेगी।

भुना चना निर्माता फर्मों पर खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई

बिलासपुर। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला बिलासपुर की टीम द्वारा सिरगिट्टी क्षेत्र में स्थित भुना चना निर्माता फर्मों का छापामार शैली में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संदेह के आधार पर 1 लाख से ज्यादा मूल्य के 1350 किलोग्राम भुना चना बरामद किया गया। गुणवत्ता जांच के लिए सैंपल लेकर परीक्षण के लिए रायपुर प्रयोगशाला भेजा गया।

जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि संदेह के आधार पर सिरगिट्टी स्थित अमित फूड प्रोडक्ट से 600 किलोग्राम भुना चना (अनुमानित मूल्य 48 हजार रुपये) तथा जय भोले इंडस्ट्रीज से 750 किलोग्राम भुना चना (अनुमानित मूल्य 60 हजार रुपये) जब्त किया गया। साथ ही शिवशक्ति दाल मिल से भुना चना का नमूना जांच हेतु लिया गया। सभी संबंधित फर्मों को खाद्य सुरक्षा मानकों में सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जेपी सहारे को मिली राहत

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का जिले में प्रभावी एवं निरंतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना से उपभोक्ताओं को न केवल बिजली बिल में राहत मिल रही है, बल्कि स्वच्छ, हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत जिले में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने घरों में सोलर रूफटॉप पावर प्लांट की स्थापित कर रहे है। छुरिया विकासखंड में पदस्थ वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जेपी सहारे ने अपने निवास स्थल डोंगरगांव के निजी आवास की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पावर प्लांट स्थापित किया गया है। जेपी सहारे ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सोलर प्लांट की स्थापना के बाद बिजली बिल में शून्य हो गया। जिससे उन्हें प्रतिमाह आर्थिक बचत हो रही है। योजना के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार की सब्सिडी तथा राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए की सब्सिडी नियमानुसार बैंक खाते में प्राप्त हुई है।

इसी तरह प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत कृषि विभाग के 19 अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा अपने आवास पर सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया गया है। यह पहल शासकीय अमले द्वारा स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। कृषि विभाग की टीम द्वारा कृषकों को योजना के तहत सोलर पैनल स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और सौर ऊर्जा अपनाने से कृषकों के बिजली व्यय में कमी के साथ स्थायी एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोत के लाभ के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

दूरस्थ वनांचल ग्राम गोडलवाही में सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांव की ओर शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। जिले में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक कलस्टरवार शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड छुरिया के दूरस्थ वनांचल ग्राम गोडलवाही में आज सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 24 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी देने एवं लाभान्वित करने के उद्देश्य से स्टॉल लगाया गया। जिसमें कुल 195 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 70 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया।

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग ने गोदभराई और अन्नप्राशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वच्छताग्राही महिलाओं और मितानिनों का सम्मान किया गया। स्वच्छताग्राही ने गांवों में स्वच्छता का संदेश दिया। शिविर में प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना अंतर्गत महिला हितग्राही श्रीमती पूर्णिमा साहू, श्रीमती आरती बाई, श्रीमती हेम बाई, श्रीमती सुखबती बाई को नया गैस कनेक्शन प्रदान किया गया। बिहान योजना अंतर्गत पदम कर्मा स्वसहायता समूह जोंधरा को 3 लाख रूपए का बैंक लिंकेज स्वीकृति पत्र दिया गया। इस अवसर पर सदस्य जिला पंचायत गोपाल सिंह भुआर्य, सदस्य जनपद पंचायत छुरिया श्रीमती जैमुन कंवर, सीईओ जनपद पंचायत होरीलाल साहू एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, ग्राम पंचायत सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

युवा उत्सव : कोरबा के युवा कलाकारों ने प्रदर्शित की कला एवं संस्कृति की झलक

कोरबा। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व वर्षों की भांति वर्ष 2025-26 में भी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन कोरबा जिले में 19 एवं 20 दिसंबर 2025 को प्रात: 10 बजे से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01, कोरबा में संपन्न हुआ।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में विभिन्न विधाओं में चयनित विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव, बिलासपुर में दिनांक 23 से 25 दिसंबर 2025 के मध्य सहभागिता हेतु सम्मिलित कराया जाएगा।

टोकन तुंहर हाथ से बदली किसान की तक़दीर

कोरबा । कोरबा जिले के विकासखंड कोरबा अंतर्गत ग्राम गोढ़ी के किसान डमेंद्र कुमार डहरिया आधुनिक सुविधाओं और सरकार की किसान हितैषी व्यवस्था से संतुष्ट नज़र आते हैं। उन्होंने इस वर्ष लगभग 7 से 8 एकड़ भूमि में धान की फसल ली। उनके खेत में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है, जहां बोर के माध्यम से नियमित सिंचाई होती है। इस वर्ष डहरिया ने नकटीखार स्थित धान उपार्जन केंद्र में कुल 59 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि धान बेचने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई। पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 63 क्विंटल धान बेचा था, और तब की तुलना में इस बार व्यवस्था और भी बेहतर रही। किसान का कहना है कि वर्तमान में धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता।

सिलपहरी ने जीता जिला स्तरीय घासीदास लोककला महोत्सव का प्रथम पुरस्कार

बिलासपुर (वीएनएस)। परम पूज्य बाबा गुरुघासीदास जी के जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय गुरुघासीदास लोक कला महोत्सव पर 18 दिसम्बर 2025 को शासकीय प्री में सामूहिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास जरहाभाठा में आयोजित की गई। बाबा गुरुघासीदास की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें तीन दलों के द्वारा मनमोहक पंथी नृत्य एवं भरथरी गीतों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में सम्मिलित दलों में से सिलपहरी पंथी पार्टी बिलासपुर को प्रथम स्थान एवं संत के संदेश पंथी पार्टी ग्राम करहीपारा तखतपुर को द्वितीय स्थान तथा हमर छत्तीसगढ़ के माटी लोककला मंच छोटी कोनी बिलासपुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उक्त आयोजन में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दलों को राज्य स्तरीय आयोजन हेतु नवागढ़ बेमेतरा भेजा जावेगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम हेतु शासन द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 1 लाख रूपए एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दल को 75 हजार रूपये पुरस्कार राशि देने का प्रावधान है।

सिंघोला में सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर शिविर का आयोजन

राजनांदगांव। जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम पंचायत सिंघोला में सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर शिविर का आयोजन किया गया। जिले में सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर 2025 अंतर्गत 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम सिंघोला में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी देने एवं लाभान्वित करने के उद्देश्य से स्टॉल लगाया गया। जिसमें कुल 177 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 79 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, जनपद सदस्य श्रीमती खुशबू साहू, जनपद सदस्य श्रमती देवकुमारी साहू, सरपंच सिंघोला मुकेश साहू, सीईओ जनपद पंचायत मनीष साहू, सिंघोला क्लस्टर में आने वाले अन्य ग्राम पंचायतों के सरपंच, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर अभियान के माध्यम से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से सुशासन को बढ़ावा देना एवं शासकीय योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए नगर स्तर पर ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के कलस्टर में विशेष शिविरों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं को जनसामान्य तक सुगमता से पहुंचाने एवं सार्वजनिक शिकायतों का विशेष शिविरों के माध्यम से निराकरण किया जा रहा है। क्षेत्रीय ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को आमंत्रित करते हुए नियुक्त नोडल अधिकारी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों की शिकायत एवं मांग के आवेदनों को एकत्रित कर तत्काल संबंधित विभागों को वितरित करेंगे तथा परीक्षण कर समाधान सुनिश्चित करेंगे।

शुरू हुआ सप्ताह भर का प्रशासन गांव की ओर अभियान

बिलासपुर। भारत शासन के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएपीआरजी) द्वारा सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर जीजीडब्ल्यू अभियान शुरू हुआ। यह अभियान 19 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक समस्त ग्राम पंचायत, ब्लॉक मुख्यालय में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर अभियान का उद्देश्य सुशासन को बढ़ावा देना है। सुशासन सप्ताह के दौरान विशेष शिविरों का आयोजन किया जायेगा इन विशेष शिविरों के माध्यम से ना केवल आम जनता की शिकायतों का समाधान किया जाएगा बल्कि सार्वजनिक सेवाओं में सुधार भी किया जाएगा। विशेष शिविरों में शासन में जवाबदेही, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को और भी मजबूत किया जाएगा। इन शिविरों में आमजन अपनी समस्यायों के निराकरण हेतु संपर्क कर सकते है इस हेतु विभिन्न समाचार पत्रों, सोशल मीडिया प्लेटफार्म में जागरूकता प्रसारित की जा रही है। जिला स्तर पर 23 दिसम्बर को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

एक जान बचाना, पूरी मानवता को बचाने जैसा होता है

एन. रघुरामन, मैनेजमेंट गुरु

पिछले रविवार वह कबाब खा रहा था, तभी गोलियों की आवाज सुनकर लोग इधर-उधर भागने लगे। वह अपना कबाब वहीं छोड़ कर गोलियों की दिशा में दौड़ा। ऑस्ट्रेलिया में बॉन्डी शूटिंग का हादसा डरावना था, लेकिन इसने आम लोगों की बहादुरी भी दिखा दी।

इनमें एक थे पंजाबी-सिख, भारतीय मूल के न्यूजीलैंडर अमनदीप सिंह बोला। उन्होंने पुलिस की गोली लगने से एक शूटर को लड़खड़ाते देखा तो उस पर झपट पड़े। ऑस्ट्रेलिया में पर्सनल ट्रेनर बोला ने साजिद अकरम की गन लात मारकर दूर कर दी।

जमीन पर दबोच कर उसे हाथों में जकड़ लिया, ताकि वह कोई दूसरा हथियार इस्तेमाल ना कर सके। 34 वर्षीय बोला महज एक राहगीर थे। वह शूटिंग वाली जगह से काफी दूर थे, फिर भी वहां गए जहां अज्ञात शूटर्स गोलियां बरसा रहे थे और जो भी कर सकते थे, किया।

इस जगह से दूर, महज एक दिन पहले शनिवार को एक और 34 वर्षीय भारतीय को बचाने वाला कोई नहीं था। जबकि उन्होंने सड़क पर गाड़ी स्टार्ट करने की मशक्कत करते कई लोगों की मदद की थी। पेशे से मैकेनिक इस व्यक्ति के सीने में रात 3.30 बजे तेज दर्द हुआ। उनकी पत्नी रूपा बिना समय गंवाए उन्हें स्कूटर से नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचीं।

उम्मीद थी कि तुरंत इलाज मिलेगा, लेकिन मदद नहीं मिली। अस्पताल से उन्हें यह कह कर लौटा दिया गया कि कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। पास के दूसरे अस्पताल में ईसीजी कराई तो उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ- उसके पति वेंकटरमण में हार्ट अटैक के लक्षण थे।

फिर से, न कोई इमरजेंसी इलाज, न एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। बस उन्हें तीसरे अस्पताल जाने की सलाह भर दे दी गई। घबराहट बढ़ रही थी, कोई मदद भी नहीं दिख रही थी तो उन्होंने सिर्फ वही किया- जो कर सकते थे। वे फिर से स्कूटर पर बैठे और अगले अस्पताल की ओर दौड़े।

करीब 4.21 बजे वेंकटरमण ने फिर से अपना सीना पकड़ा। स्कूटर डगमगाया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों घायल हो गए। घबराई रूपा संभलकर पति के पास दौड़ीं, जो सांस लेने के लिए भी जूझ रहे थे। फिर उस रात का शायद सबसे क्रूर पल आया।

रूपा अपने हाथ हिलाती, गिड़गिड़ाती सड़क से गुजर रहे वाहनों से रुकने की भीख मांग रही थीं कि कोई रुके और उनके पति को अस्पताल पहुंचाए। लेकिन एक के बाद एक वाहन गुजरते रहे और कोई भी मदद के लिए नहीं रुका।

सड़क पर पड़े वेंकटरमण एक-एक सांस के लिए जूझ रहे थे। एक-एक कीमती पल गुजर रहा था। आखिरकार एक पैदल राहगीर उनके पास रुका। जल्द ही वेंकटरमण की बहन भी मौके पर पहुंच गई और गाड़ियों को रोकने की कोशिश करने लगी। अंतत: सात मिनट बाद एक कार रुकी। तब तक वेंकटरमण बेहोश हो चुके थे। बहन ने सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सोच रहे हैं कि ऐसा निर्मम वाकिया कहां हो सकता है? तो यह सब बेंगलुरु में हुआ। हमारे देश के लोग ऑस्ट्रेलिया जैसे दूर देश में जान बचा सकते हैं, लेकिन आंखों के सामने तड़पती एक जान को नहीं बचा सके। क्या आपको यकीन नहीं कि ऐसी घटना भी हो सकती है?

तो दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सबकुछ- रूपा की मदद की गुहार, सड़क पर गिरते उनके पति और राहगीरों की बेरुखी- पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज किया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वेंकटरमण के पीछे उसकी मां, पत्नी और दो बच्चे रह गए हैं।

यकीनन, किसी की जान बचाना मानवता के लिए सबसे बड़ा योगदान माना जाता है। यह काम कभी तत्काल दिखाई गई बहादुरी, कभी जरूरतमंद को मेडिकल केयर देने और कभी परोपकार जैसे कार्यों से होता है।

फंडा यह है कि अपने आसपास की हर जिंदगी की कद्र कीजिए। इसलिए नहीं कि वे आपको आपकी जरूरत की चीजें देते हैं, बल्कि इसलिए कि वे आपको वो अहसास देते हैं, जिनकी जरूरत शायद आपको कभी महसूस नहीं होती।

एआई पर टैक्स लगाने के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए

शायद ही कोई दिन जाता हो, जब ऐसी खबरें ना आती हों कि एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। भले ही इस बारे में बहुत सारे दावे बढ़ा-चढ़ाकर किए जाते हों, लेकिन हमें बदलावों के लिए तैयार तो रहना ही होगा। एआई समाज के लिए फायदेमंद हो, यह सुनिश्चित करने का सबसे भरोसेमंद तरीका है- टैक्स!

तो वास्तव में एआई टैक्स कैसा होगा? इसका सबसे व्यावहारिक तरीका यह है कि एआई डेवलपमेंट के प्रमुख इनपुट्स यानी एनर्जी, चिप्स या कम्प्यूट-टाइम को टैक्स के लिए लक्षित किया जाए। अमेरिका ने कुछ खास एआई चिप्स की चीन को बिक्री पर 15% शुल्क लगाया है। इससे पता चलता है कि एआई इनपुट टैक्स कैसे काररगर हो सकता है। कुछ लोगों ने सुझाया है कि हमें एआई से हो रहे बदलावों के मद्देनजर पूंजी पर टैक्स लगाने का तरीका भी बदलना चाहिए।

एआई-टैक्स का कोई भी ढांचा इस पर निर्भर करेगा कि सरकारें इससे क्या हासिल करना चाहती हैं। कोई यह भी पूछ सकता है कि हमें एआई पर टैक्स लगाना ही क्यों चाहिए? इस सवाल का जवाब हमारी टैक्स प्रणालियों और एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदल रहा है- इस बारे में दो बुनियादी बातें बताता है।

पहली, कई देश फिलहाल श्रम बाजार में मानव श्रमिकों पर उनके संभावित एआई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा टैक्स लगाते हैं। अमेरिका में लगभग 85% केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम पर लगाए टैक्स से आता है। जबकि पूंजी

और कॉर्पोरेट मुनाफों से काफी कम टैक्स वसूली होती है। एआई जैसी तकनीकों को रियायतों और कॉर्पोरेट टैक्स की किफायती दरों जैसी राहत मिलती है।

दूसरी बात, अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एआई श्रम की तुलना में अधिक वित्तीय लाभ देगा। इसका सबसे चरम रूप वो एआई एजेंट होंगे, जो खुद डिजाइन, रेप्लिकेट और सेल्फ-मैनेजिंग में सक्षम होंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाएगी। वर्तमान कर-नीतियों के तहत ऐसा बदलाव विषमता बढ़ाएगा और जीडीपी के अनुपात में सरकारी राजस्व कम करेगा।

एआई टैक्स इंसानों और मशीनों, दोनों के लिए समान अवसरों वाला मैदान तैयार कर सकता है। इस साल की शुरुआत में एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि एआई अगले पांच वर्षों में एंट्री लेवल की आधी व्हाइट कॉलर नौकरियों को समाप्त कर सकता है। इससे पांच वर्षों में बेरोजगारी 10-20% तक पहुंच सकती है।

श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें।

एक बड़ी बात यह भी है कि यदि बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म होती हैं या नई भर्तियां धीमी होती हैं तो अभी आय और पे-रोल करों पर निर्भर सरकारों के सामने गंभीर वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। भले ही बाद में एआई संबंधी नए रोजगार पैदा हो जाएं।

सही कर-नीतियां एआई से उत्पादकता में आए उछाल के साथ मिलकर वित्तीय समस्याओं का हल कर सकती हैं। अमीर देश बुजुर्ग आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा और पेंशन का पैसा जुटाने की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि गरीब देशों के सामने कर-संबंधी आय कम होने के बावजूद बड़ी युवा आबादी को शिक्षित करने और रोजगार देने की चुनौतियां हैं। ऐसे में एआई से प्राप्त होने वाला टैक्स-राजस्व इन दोनों की समस्याओं का समाधान बन सकता है।

श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच...

गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज जब पहली बार वृंदावन पहुंचे तो वहां पर नाभादास के आश्रम में जाकर सो गए। नाभादासजी ने व्यंग्य करते हुए कहा, महाराज ! संत लोग तो जगाने के लिए आते हैं और आप स्वयं सो रहे हैं। तो तुलसीदासजी ने कहा कि नहीं-नहीं, भई ! अन्य संत यदि जागने का उपदेश देने आए थे तो मैं थोड़ा सोने का संदेश लेकर आया हूं। उन्होंने कहा कि जो बुराई के विरुद्ध लड़ रहे हैं अथवा लड़ाई का संदेश दे रहे हैं वे तो व्यक्ति को जागृत कर ही रहे हैं। एक सैनिक को जो लड़ने की प्रेरणा देता है वह भी सैनिक का मित्र है तथा उचित अवसर पर सैनिक को जो विश्राम देने की सलाह देता है वह भी उसका ही हितैषी ही है। गोस्वामीजी ने कहा कि योगी लोग जो हैं, वे जागृति का संदेश देते हैं। लेकिन - सोवै सुख तुलसी भरोसे एक राम के। लक्ष्मणजी के जीवन में इसी का संतुलन है। क्योंकि अयोध्याकांड में यदि उन्होंने जागने की महिमा का वर्णन किया तो लंकाकांड में वे सोने की विशेषता को स्वीकार करते हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

किसी भी काम की अति जीवन में एंग्जायटी लाती है

एक परिवार ऐसा है, जो हमारे जीवन में प्रवेश करने के लिए कुछ दरवाजे ढूंढता है। पहले उन द्वारों की बात करें, जो हमने बना रखे हैं। जैसे अति सफाई, अत्यधिक समयबद्धता, निर्णय में जरूरत से ज्यादा सोच, भरपूर सफलता की आकांक्षा, अमर्यादित आचरण।

यही वो दरवाजे हैं, जहां से उस परिवार का प्रवेश होता है। अब यह परिवार कौन-सा है? बेचैनी, घबराहट, तनाव, चिंता- ये सब मिलकर एक परिवार बनता है। इसे तलाश है कि आप उसे दरवाजा दिखाएं और वो हमारे जीवन में प्रवेश कर जाए। इस परिवार का एक नाम है- एंग्जायटी। इसलिए हम जिस क्षेत्र में हों, एक चीज तय करके चलें कि अति हर बात की बुरी होती है। जैसा सोचा वैसा परिणाम मिल जाए, ये बहुत बड़ी अति है। परिश्रम में कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन उसकी भी लोग अति कर देते हैं। और यह जो अति है, यह प्रवेश कराती है एंग्जायटी को हमारे जीवन में। फिर इसके इलाज के लिए हम भागते फिरते हैं, जबकि इलाज हमारे पास है- संतुलित जीवन।

साफ हवा कोई लग्जरी नहीं, नागरिकों का अधिकार है

जिस तरह से हर साल दिल्ली, एनसीआर और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा प्रदूषण की आपदा से जूझता है, उसे देखकर आप पूछ सकते हैं कि भला सरकारें कब तक इसे नजरअंदाज कर सकती हैं? और एक-एक सांस के लिए जूझ रहे नागरिक भला कब तक इस घुटन को चुपचाप स्वीकार करते रहेंगे?

जब एक्यूआई नियमित रूप से 450 से ऊपर की 'गंभीर' और 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणियों को पार करता है तो यह स्तर किसी भी सभ्य समाज में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए।

वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसमें मनुष्य की औसत आयु 8.2 वर्ष तक घट जाती है। साथ ही हृदयाघात, स्ट्रोक, सांस सम्बंधी रोगों और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ता है। बच्चों के फेफड़े सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि बुजुर्ग और पहले से बीमार लोगों पर इसका बहुत बुरा असर होता है। यह मौसमी असुविधा नहीं, हर साल करोड़ों नागरिकों पर ढाया जाने वाला अत्याचार है।

जब यह स्थिति हर साल निर्मित होती है तो इसका समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है? क्या इस संकट का कोई समाधान नहीं? दुनिया के दूसरे देशों ने तो बताया है कि ऐसा नहीं है। कुछ साल पहले बीजिंग की हवा भी दिल्ली जितनी दमघोंटू हो गई थी।

2013 में चीनी सरकार ने 'प्रदूषण के खिलाफ युद्ध' का ऐलान किया। उत्सर्जन में कड़ी कटौती की गई, उद्योगों और वाहनों के लिए सख्त मानक तय किए और क्लीन एनर्जी की ओर तेजी से रुख मोड़ा गया। निरंतर और कठोर क्रियान्वयन का नतीजा यह हुआ कि बीजिंग सहित कई प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता में ठोस सुधार देखने को मिला।

हम हर साल तब ही क्यों जागते हैं जब आपदा हमारे सिर पर आ खड़ी होती है, जबकि हमें पहले से पता होता है कि अगर स्थायी और कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो अगला साल भी ठीक वैसा ही होगा? निर्माण गतिविधियों पर अस्थायी रोक, आपातकालीन ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के चरणों को लागू करना, पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों को बंद करना, घरों में रहने की सलाह- ये सब केवल प्रतिक्रियात्मक, प्रतीकात्मक, अल्पकालिक उपाय हैं- समाधान नहीं।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी स्पष्ट दिखती है। अभी-अभी समाप्त हुए संसद सत्र में वायु प्रदूषण संकट पर चर्चा के लिए समय तक नहीं निकाला गया, जबकि यह मुद्दा सूचीबद्ध था। इस स्तर की सरकारी उदासीनता आपराधिक कही जानी चाहिए और संविधान का सीधा उल्लंघन भी, क्योंकि सांस लेने के अधिकार को कुचलकर हम जीवन के अधिकार- जो एक मौलिक अधिकार है- को ही खतरे में डाल रहे हैं।

प्रदूषण न तो नगर निगम की सीमाओं को मानता है और न ही राज्यों की। फिर भी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश की सरकारों को साथ लेकर अब तक कोई संयुक्त समिति तक नहीं बनाई गई। न ही किसानों को पराली जलाने के व्यवहार्य आर्थिक विकल्प दिए गए- चाहे वह मशीनरी पर सब्सिडी हो, बायोफ्यूल के लिए प्रोत्साहन हो, फसलों में विविधता या कटाई के बाद बची चीजों पर वैल्यू-एडिशन हो।

स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन के विस्तार पर भी बड़ा निवेश नहीं हुआ, प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को न तो हटाया गया और न ही बंद किया गया, और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण तथा वाहनों के उत्सर्जन मानकों का सख्ती से पालन भी नहीं कराया जा सका है।

सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की है कि नागरिकों ने अभी तक इसके विरुद्ध कोई संगठित और प्रभावी आंदोलन क्यों नहीं किया, जो व्यवस्था को बदलाव लाने के लिए मजबूर कर सके? हम इतनी आसानी से हर चीज के अभ्यस्त क्यों हो जाते हैं?

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के प्रति देश के मन में गहरे आदर की भावना है, लेकिन यह पूछना जरूरी है कि जब संसद के बाहर लोगों का दम घुट रहा था, तब राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक संदर्भों पर पूरे दिन की बहस क्या सचमुच हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए थी? क्या संसद में बैठे लोग यह समझते हैं कि प्रदूषण भले साझा समस्या हो, उसका बोझ सब पर समान रूप से नहीं पड़ता है?

जिनके पास संसाधन हैं, वो तो एयर प्यूरीफायर के पीछे शरण ले लेते हैं; लेकिन क्या साधनहीन लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर रहेंगे? देश की बड़ी आबादी के पास रोजी-रोटी कमाने के लिए घर से निकलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

क्या साधन-सम्पन्न वर्ग कभी उनके बारे में सोचता है? और क्या सरकार इस बात से अनभिज्ञ है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की यह हालत हमारी अंतरराष्ट्रीय छवि पर बट्टा लगाती है, जबकि हम तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होने का दावा करते हैं?

संसद में प्रदूषण पर चर्चा के लिए समय तक नहीं निकाला गया, जबकि यह मुद्दा सूचीबद्ध था। यह आपराधिक उदासीनता कही जानी चाहिए और संविधान का उल्लंघन भी, क्योंकि यह जीवन के अधिकार को खतरे में डालती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बांधों की सुरक्षा के लिए मजबूत कार्ययोजना की आवश्यकता

देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। संसद के चालू सत्र में जलशक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने राज्यसभा में बताया कि देशभर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां हो गई हैं और जिनकी तत्काल मरम्मत होना जरूरी है। इन बांधों को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि बांध में बड़ी संरचनात्मक या तकनीकी कमी है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य में बड़े खतरे को आमंत्रण देना होगा?

सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 50 ऐसे बांध पाए गए हैं, जिनकी तत्काल मरम्मत जरूरी है। इसके बाद मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में 24-24 बांध, तमिलनाडु में 19, तेलंगाना में 18, उत्तरप्रदेश में 12, झारखंड में 10, केरल में 9, आंध्रप्रदेश में 7 और गुजरात तथा मेघालय में छह-छह बांध क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिनमें तत्काल सुधार जरूरी है। यह समझ से परे है कि 'बांध सुरक्षा विधेयक' अस्तित्व में होने के बावजूद इन बांधों की मरम्मत पर अब तक ध्यान क्यों नहीं दिया गया। बांधों की मरम्मत के लिए समय रहते भारत सरकार ने देशभर के बांधों को सुरक्षित बनाए रखने की दृष्टि से 10,211 करोड़ रुपए का बजट भी आवंटित किया हुआ है। यह धन बांध पुनर्वास

और सुधार कार्यक्रम (डीआरआइपी) के अंतर्गत दिया है। इस राशि से दो चरणों में बांधों की मरम्मत करने के प्रावधान हैं। भारत बांध संख्या के लिहाज से दुनिया में तीसरे स्थान पर है। देश में कुल बांध 5,745 हैं। इनमें से संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने 1115 बांधों की हालत खस्ता बताई है। चीन पहले और अमरीका दूसरे स्थान पर है। देश में 973 बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच है। 973 यानी 56 फीसदी ऐसे बांध हैं, जिनकी आयु 25 से 50 वर्ष हैं। भारत में बांधों की मरम्मत अप्रेल 2021 से लेकर 2031 तक पूरी होनी है। दरअसल बांध सुरक्षा विधेयक-2018 पारित कर दिए जाने के बाद से ही यह उम्मीद थी कि जिन बांधों की उम्र 26 से 100 वर्ष की है उनकी कालांतर में मरम्मत की जाएगी। कई बांध इतनी जर्जर अवस्था में आ गए हैं कि बांध की दीवारों, मोरियों और द्वारों से निरंतर पानी रिसता रहता है। इस नजरिए से इस विधेयक का उद्देश्य बांधों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत और संस्थागत कार्ययोजना उपलब्ध कराना है।

इस कानून के मुताबिक, प्रत्येक राज्य में स्थित बांधों की सुरक्षा के लिए एनडीएसए स्थापित किया जाएगा। एक राज्य के स्वामित्व वाले बांध, जो किसी अन्य राज्य में या केंद्रीय लोक सेवा उपक्रमों (सीपीएसयू) के अंतर्गत आने वाले बांध या वे बांध जो दो या दो से अधिक राज्यों में फैले हैं, सभी एनडीएसए के अधिकार क्षेत्र में होंगे। इसी कारण तमिलनाडु जैसे राज्यों की ओर से विधेयक का विरोध किया गया था। क्योंकि यह राज्य केरल में कई बांधों का प्रबंधन करता है। मुल्ला पेरियार बांध इनमें से एक है। विरोधी राज्यों को शंका थी कि यह विधेयक उनकी शक्ति कमजोर करेगा। 2014 में तमिलनाडु एवं केरल सर्वोच्च न्यायालय भी गए थे। तमिलनाडु अपने यहां बांधों की जल भंडारण क्षमता में वृद्धि करना चाहता था, जबकि केरल ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विरोध किया था। अब जो बांध दो या दो से अधिक राज्यों की आर्थिक मदद से निर्माणाधीन होने के कारण विवादग्रस्त हैं, उनके समाधान का रास्ता भी खुल गया है। भविष्य में यदि नदी जोड़ो अभियान जोर पकड़ता है तो बांध और नहरों के निर्माण से लेकर दो या इससे अधिक राज्यों में जल-बंटवारे को लेकर जो विवाद उत्पन्न होते हैं, उन्हें निपटाने में सुगमता होगी।

निजी में आरटीई से अगले साल कक्षा 1 में दाखिला : नर्सरी में आरटीई से गरीब बच्चों की नो एंट्री... अभिभावकों पर बढ़ेगा बोझ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश का नियम बदल दिया गया है। अब निजी स्कूलों की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों में गरीब परिवारों के बच्चों को नर्सरी के बजाय सिर्फ कक्षा-1 से ही प्रवेश मिलेगा। इससे राज्य सरकार सालाना लगभग 63 करोड़ रुपए की बचत करेगी। लेकिन, इससे गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई महंगी हो जाएगी। उनके माता-पिता की जेब पर भार पड़ेगा। पहले उन्हें शुल्क नहीं देना पड़ता था। अब नर्सरी, पीपी-1 और पीपी-2 की फीस देनी होगी। आरटीई एक्ट में 6 से 14 साल तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा का प्रावधान है।

इसके अनुसार ही निजी स्कूलों में 25 फीसदी सीटें गरीब बच्चों के ?लिए आरक्षित रहती हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने 12 साल पहले ऐसे परिवारों के बच्चों के लिए नर्सरी क्लास से ही आरटीई का प्रावधान किया था। इससे सभी निजी स्कूलों में नर्सरी की 25 प्रतिशत सीट आरटीई में आरक्षित हो गई थी। लेकिन नए बदलावों के बाद नए सत्र से सिर्फ कक्षा पहली में प्रवेश होगा।

इस बदलाव से बड़ी संख्या में गरीब परिवारों के बच्चे अब कक्षा-1 से पहले स्कूल ही नहीं जा पाएंगे। क्योंकि जो पैरेंट्स फीस देने में सक्षम होंगे वे निजी स्कूलों में प्री-प्राइमरी में दाखिला दिलाएंगे। लेकिन, जो सक्षम नहीं होंगे उनके पास महिला बाल विकास विभाग से संचालित बालवाड़ी का विकल्प ही बचेगा। अधिकांश सरकारी स्कूलों में नर्सरी की पढ़ाई नहीं है। सिर्फ कुछ ही आत्मानंद स्कूल में पीपी-1 और पीपी-2 है।

फायदा और नुकसान

गरीबों पर 3 गुना बोझ, नर्सरी की फीस भरनी होगी।

सरकार की 63 करोड़ की सालाना बचत होगी।

शिक्षाविदों की चिंता

3-6 साल के बच्चे पढ़ाई में पिछड़ेंगे।

आत्मविश्वास कम होगा, ड्रॉपआउट का खतरा बढ़ेगा।

ऐसे समझें पैसे खर्च करने का गणित

इस सत्र में 6947 निजी स्कूलों में आरटीई के तहत 53 हजार से अधिक सीटें थीं। अब तक नर्सरी, केजी-1 और कक्षा-1 तीनों को एंट्री क्लास माना जाता था। चूंकि अधिकांश निजी स्कूलों में प्रवेश की शुरुआत नर्सरी से होती है, इसलिए कुल 53 हजार सीटों में से करीब 30 हजार सीटें नर्सरी स्तर की थीं। गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकार निजी स्कूलों को प्रति छात्र 7 हजार रुपए प्रतिवर्ष की प्रतिपूर्ति करती थी। यदि नर्सरी में 30 हजार बच्चे आरटीई के तहत दाखिल होते हैं, तो केजी-2 तक इनकी कुल संख्या 90 हजार छात्र प्रति वर्ष हो जाती है। प्रति छात्र 7 हजार रुपए की दर से सरकार 63 करोड़ रुपये का खर्च करती थी।

इस निर्णय का असर गरीब बच्चों पर पड़ेगा

बाल्यावस्था की शिक्षा 3-6 वर्ष सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है, जहां भाषा, व्यवहार और सीखने की नींव रखी जाती है। स्कूल शिक्षा विभाग के नए निर्देश से अब निजी स्कूलों में सिर्फ कक्षा-1 में प्रवेश होगा। इससे आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग के बच्चे निजी स्कूलों में नर्सरी से पढ़ाई जारी रखेंगे, जबकि गरीब बच्चे के लिए यह मुश्किल होगा। इससे शैक्षणिक असमानता बढ़ेगी। नर्सरी, पीपी-1, पीपी-2 छोड़ने की स्थिति में बच्चे फोनिक्स, बुनियादी शब्दावली और कक्षा की दिनचर्या से वंचित रहेंगे। **इससे कक्षा-1** का अंग्रेजी माध्यम पाठ्यक्रम उनके लिए बोझिल हो जाएगा। ये छात्र समझ और भागीदारी में पिछड़ जाते हैं। इससे आत्मविश्वास की कमी और व्यवहार संबंधी समस्याएं पैदा होंगी। स्कूलों को रेमेडियल क्लासेस चलानी पड़ेंगी, लेकिन संसाधनों की कमी से यह संभव नहीं है। यह निर्णय बच्चों के माता-पिता पर मानसिक दबाव बढ़ाएगा और ड्रॉप-आउट की संभावना को बढ़ावा देगा।

रायपुर में महंगे शौक पूरे करने लूट....फिर हत्या:3 युवकों ने स्पोर्ट्स बाइक पर की वारदात

रायपुर। खरोरा और तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में हुई हत्या और लूट की दो बड़ी वारदातों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपियों ने अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए वारदात की थी। एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की मदद से पुलिस ने तीन आरोपियों और एक नाबालिग सहित कुल चार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूट की गई मोबाइल, नगदी रकम, दो मोटरसाइकिल और दो धारदार हथियार बरामद किए गए हैं।

पहली घटना 17 दिसंबर को तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम बहेसर में हुई, जहां तीन अज्ञात युवकों ने दो पैदल जा रहे युवकों को रोककर लूटपाट की और विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला किया। फिर आरोपी मौके से फरार हो गए।

दूसरी घटना इसी दिन खरोरा-रायपुर मेन रोड पर ग्राम बरौंडा स्थित किंग ढाबा एंड रेस्टोरेंट के सामने बुधवार रात करीब 11:30 बजे तीन अज्ञात युवक ऑरेंज रंग की चञ्झरू बाइक से पहुंचे। लूट की नीयत से हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले बलौदाबाजार का रास्ता पूछने के बहाने बात की, फिर अचानक चाकू निकालकर लूटपाट शुरू कर दी। इस दौरान ढाबे के बाहर बैठे शिवकुमार साहू का मोबाइल छीन लिया।

आबकारी वेयर हाउस में काम करता था युवक

जब शिवकुमार ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके सीने में चाकू से वार कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि शिवकुमार साहू सिलतरा आबकारी वेयरहाउस में काम करता था। अपने 11 दोस्तों के साथ ढाबे में पार्टी करने आया था।

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री बेहाल, 15 घंटे का सफर 24 घंटे में, हावड़ा-मुंबई रूट पर सबसे बुरा हाल

रायपुर। हावड़ा-मुंबई रूट पर ट्रेनों की भारी लेटलतीफी से यात्री परेशान हैं। रोज़ाना करीब दो दर्जन ट्रेनें 3 से 9 घंटे देरी से चल रही हैं, जिससे 15 घंटे का सफर 20 से 24 घंटे में पूरा हो रहा है।

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान हैं। हर दिन लगभग दो दर्जन ट्रेनें अपने नियमित समय से काफी देरी से चल रही हैं। ट्रेनें औसत 3 से 9 घंटे की देरी से चल रही हैं। 15 घंटे का सफर 20 से 24 घंटे में पूरा हो रहा है। सबसे ज्यादा हावड़ा-मुम्बई रूट की ट्रेनें देरी से चल रही है। पत्रिका ने शुक्रवार को ट्रेन में सवार कुछ यात्रियों से बातचीत की तो उनका दर्द छलक उठा। यात्रियों ने कहा कि हावड़ा-मुंबई रूट काफी बुरा है।

इस रूट पर पैसेंजर ट्रेनों से ज्यादा मालगाड़ियो को अहमियत दी जा रही है। मालगाड़ियां इतनी लंबी होती है कि पैसेंजर ट्रेनों की स्पीड कम हो जाती है या फिर मालगाड़ियां के गुजरने के बाद इनको हरा सिग्नल मिलता है। वहीं रेलवे अधिकारियों का कहना है कि दपूमरे से जाने वाली ट्रेनें सही समय पर निकल जाती हैं। लगातार अलग-अलग डिवीजन में रेलवे का विकास कार्य चल रहा है, जिसके चलते ट्रेनें लेट हो रही हैं।

मालगाड़ियों के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की मांग

यात्रियों ने बताया कि सामान की कीमत इंसानों से ज्यादा कैसे हो रही है? ट्रेनों के लेट होने से किसी यात्री की कनेक्टिविटी ट्रेन छूट जाती है। परीक्षा तथा अहम कार्य से कई लोग वंचित रह जाते हैं। लिहाजा पैसेंजर ट्रेनों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। रेल मंत्री इस बारे में चिंता क्यों नहीं कर रहे हैं? कुछ ने कहा कि औद्योगिक इलाका होने के कारण इस रूट पर मालगाड़ियों का प्रेशर बहुत ज्यादा है। रूट पर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर होना चाहिए। मालगाड़ियों के लिए अलग ट्रैक रहने पर पैसेंजर ट्रेनों का आवागमन सुगम हो सकता है।

निगम की प्रॉपर्टी को ऑनलाइन करने का काम ठप, 1400 दुकानों के दस्तावेज अपडेट नहीं

रायपुर। निगम के पास शहर में 19 जगहों पर चार हजार से ज्यादा प्रॉपर्टी है। लेकिन आज तक इनकी जानकारी ऑनलाइन अपडेट नहीं हो पाई है। निगम ने इसी साल सभी 10 जोन कमिश्नरों से जानकारी मांगी थी कि उनके वार्डों में निगम की कितनी प्रॉपर्टी है, उन पर कौन काबिज है, कितना किराया आता है और कितनी दुकानें खाली हैं। लेकिन अभी तक इसकी पूरी जानकारी नहीं आई पाई है। इससे निगम कमिश्नर खासे नाराज हैं। संपत्तियों की जानकारी नहीं आने पर उन्होंने जोन कमिश्नरों को फटकार भी लगाई गई है।

निगम की शहर में कई संपत्तियां ऐसी हैं जो आठ-दस बार टेंडर जारी होने के बाद भी अब तक नहीं बिकी है। इन्हें बेचने के लिए भी निगम वाले इसकी जानकारी ऑनलाइन सार्वजनिक करना चाहते हैं। ताकि लोग एक क्लिक पर निगम की दुकानों को देख सकें और उसकी खरीदी कर सके। निगम अफसरों के अनुसार अभी तक करीब 2600 दुकानों की जानकारी ऑनलाइन कर दी

गई है। 1400 प्रॉपर्टी की जानकारी अभी जोन दफ्तरों से आनी है। ऑनलाइन सिस्टम नहीं बनने की वजह से निगम के लाइसेंसी दुकानदार, लीज होल्डर और मुख्यमंत्री स्वावलंबी योजना के आवंटियों को किराया या अन्य शुल्क देने के लिए दफ्तरों में जाना पड़ता है।

जानिए... नगर निगम की कहां-कितनी है प्रॉपर्टी

निगम से मिली जानकारी के अनुसार गांधी बाजार (ए) 381, गांधी बाजार (बी) 587, मटन मार्केट शास्त्रीबाजार 50, जूता-चप्पल लाइन 250, नई दुकानें 323, मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना 984, गंज इलाका 378, गंज मंडी 34, आजाद मार्केट 18, गंज में बनी नई दुकानें 13, ओपन प्लॉट 16, निवेदिता स्कूल परिसर 12, शहरी एरिया में 135, नवीन बाजार हॉल 43, पुराना बस स्टैंड में 21, मिलेनियम प्लाजा परिसर 156, शास्त्री बाजार चौक 281, शहीद स्मारक भवन 151, तेलीबांधा सुभाषचंद्र बोस मूर्ति के पास 7, आरडी तिवारी स्कूल के पास 6, कालीबाड़ी चौक 6, अश्वनी नगर 5, डंगनिया बाजार चौक 8, जवाहर बाजार 168, सुभाष स्टेडियम परिसर 21, हाट बाजार दुकान क्रिस्टल आर्किड के सामने 31, अग्रसेन मंगलम के बाजू 86, गांधी मैदान कांजी हाउस 64, कंकालीपारा व्यावसायिक परिसर 26, डूमरतराई बाजार 212, जयस्तंभ चौक मल्टीलेवल पार्किंग हॉल में निगम की दुकानें हैं।

पहली बार सिस्टम ही नहीं बना पा रहे अफसर

निगम में पहली बार ऐसा होगा जब उसकी संपत्तियों की जानकारी ऑनलाइन की जा रही है। अब तक निगम की प्रॉपर्टी ऑनलाइन क्यों नहीं की गई इसे लेकर भी बड़ा सवाल है। दावा किया जा रहा है कि निगम की कुछ संपत्तियों को अवैध तरीके से बेच दिया गया है। जिन लोगों को लीज में दुकानें मिली थी उन्होंने उसे दूसरों को बेच दिया है। निगम के संपत्तियों की जानकारी ऑनलाइन अपडेट होती तो लोगों को भी पता चलता कि उनके साथ धोखाधड़ी की जा रही है। इस तरह की अनियमितताओं को दूर करने के लिए ही यह पहल की जा रही है।

शालेय शिक्षक संघ ने की प्राचार्यों की सीमित विभागीय परीक्षा लेने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ ने व्याख्याता, मिडिल, प्राइमरी एचएम और यूडीटी की लंबित पदोन्नतियों व 10 प्रतिशत प्राचार्य पदों पर सीमित विभागीय परीक्षा आयोजित करने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की।

इस दौरान शिक्षकों के लंबित मुद्दों पर चर्चा हुई। संघ ने 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म-जयंती को अटल दिवस घोषित करने का सुझाव दिया। प्रदेश अध्यक्ष दुबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का गठन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में हुआ था। बैठक में महासचिव धर्मेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी और मीडिया प्रभारी जितेंद्र शर्मा मौजूद थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर की बढ़ी ताकत, केंद्र से 22 करोड़ की पहली किस्त मंजूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नवा रायपुर में प्रस्तावित कॉमन फैसिलिटी सेंटर परियोजना के लिए 22.50 करोड़ रुपए की पहली किश्त स्वीकृत की है। यह राशि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स योजना के अंतर्गत दी गई है। इस परियोजना का क्रियान्वयन नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। जबकि इसके मूल्यांकन एवं निगरानी की जिम्मेदारी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया को सौंपी गई है। पहली किश्त की मंजूरी मिलना नवा रायपुर को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और आईटी हार्डवेयर हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कॉमन फैसिलिटी सेंटर के माध्यम से उद्योगों के साझा अधोसंरचना।

शीतकालीन सत्र में चौपाटी शिफ्टिंग विवाद उठा

सरकार बोली- चौपाटी नियमों से बनी, स्मार्ट सिटी के समझौते से शिफ्टिंग... इसलिए वसूली नहीं

रायपुर। साइंस कॉलेज चौपाटी की शिफ्टिंग कोर्ट के आदेश पर एजेंसी और स्मार्ट सिटी के बीच हुए समझौते के तहत हुई है। इसलिए इस खर्चे की वसूली उनसे नहीं होगी। यह कहना है उपमुख्यमंत्री अरुण साव का। उन्होंने शीतकालीन सत्र में चौपाटी शिफ्टिंग विवाद पर विधायक राजेश मूणत द्वारा वसूली को लेकर पूछे गए सवाल पर लिखित जवाब दिया।

सरकार से जवाब आने के बाद पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने डिप्टी सीएम अरुण साव और विधायक राजेश मूणत से ही वसूली करने की मांग कर नया विवाद खड़े कर दिया है। गौरतलब है कि साइंस कॉलेज चौपाटी को 6.13 करोड़ से तैयार किया गया था, जहां 60 दुकानें संचालित हो रही थीं। इसी जगह पर नालंदा -2 बनाने की जिद में आमानाका ब्रिज के पास चौपाटी

को 22 नवंबर को शिफ्ट किया गया है। इसी को लेकर भाजपा-कांग्रेस के बीच वैध-अवैध को लेकर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लग रहे हैं।

मूणत-अफसरों को बचाने की कोशिश, साव-जांच प्रतिवेदन विभाग को भेजा

विधायक मूणत ने पूछा सवाल

क्या यह सत्य है कि शासन के आदेश 9 जुलाई 2024 के हवाले से पुराने रायपुर स्मार्ट सिटी के कार्यों की जांच के लिए गठित समिति के प्रतिवेदन के आधार पर लंबित कर दी गई है। दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कब कार्यवाही होगी? क्या जिन अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग कर ग्रीन कॉरिडोर यूथ हब की जगह चौपाटी बनाया, उन पर कार्यवाही के साथ चौपाटी को डिसमेंटल करने में हुए व्यय की वसूली की जाएगी?

डिप्टी सीएम साव का जवाब

डिप्टी सीएम अरुण साव का लिखित में जवाब आया कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से 312 कार्यों की विस्तृत सूची 29 मई 2025 को मिली। जांच प्रतिवेदन परीक्षणाधीन है व जांच समिति से प्राप्त प्रतिवेदन आवास व पर्यावरण विभाग को भेजा गया है। चौपाटी का अनुबंध रद्द के बाद कारोबारी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट के आदेश के बाद ही स्मार्ट सिटी और एजेंसी के बीच समझौते के तहत वेडिंग जोन हटाया गया। इसलिए शिफ्टिंग में खर्च राशि की वसूली नहीं की गई।

मूणत-मेयर से वसूली हो: विकास

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का कहना है कि विधानसभा में प्रश्न के जवाब से स्पष्ट है कि फूड कोर्ट का निर्माण वैध था। ऐसे में करोड़ों की लागत से बने वेंडिंग जोन को उजाड़ने वाले विधायक राजेश मूणत, मेयर मीनल चौबे और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से ही इसकी वसूली होनी चाहिए। यह फैसला सिर्फ जिद के चलते किया गया था। सुंदर जगह को उजाड़ दिया गया। शिफ्टिंग के बाद भी आमानाका ब्रिज के नीचे फूड जोन को स्थापित नहीं किया जा सका और 60 परिवारों के सामने रोजगार का संकट अभी भी है।

जानिए .... अब तक क्या हुआ

21 नवंबर को स्मार्ट सिटी ने साइंस कॉलेज चौपाटी के दुकानदारों को 22 नवंबर को शिफ्टिंग के लिए मौखिक फरमान दिया।

पूर्व विधायक विकास व दुकानदारों ने रातभर प्रदर्शन किया।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

झारखंड में फिर बढ़ेगी बिजली की कीमत

JBVNL ने 60 % तक बढ़ोत्तरी की दिया प्रस्ताव, सहमति बनी तो घरेलू बिजली 3.50 तक महंगी

रांची। नए साल में झारखंड के बिजली उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है। यह झटका बिजली बिल का होगा। झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने बिजली की कीमतों में इजाफे का प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव के तहत बिजली की कीमतों में 60 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी की बात कही गई है।

निगम लिमिटेड की ओर से कीमतों में इजाफे का प्रस्ताव झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष दिया गया है। अगर इस प्रस्ताव पर सहमति बनती है तो प्रदेश में घरेलू बिजली की कीमतों में 3.50 तक इजाफा होगा। कीमतों में इजाफा न केवल घरेलू कंज्यूमर बल्कि अलग-अलग श्रेणी में किया जाएगा।

बिजली दर को लेकर 16 जनवरी तक देने हैं सुझाव

पब्लिक नोटिस के अनुसार,उपभोक्ता और आम जनता बिजलीदर को लेकर अपनी आपत्तियां और सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। आपत्तियां अंग्रेजी या हिंदी में दी जा सकती हैं, जिसमें पूरा पता, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी देना अनिवार्य होगा। निर्धारित शुल्क के साथ आयोग के कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा।

सभी आपत्तियां 16 जनवरी तक स्वीकार की जाएंगी। इसके बाद सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसकी तिथि अलग से घोषित की जाएगी। यह प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के बाद विद्युत नियामक आयोग अपनी कार्यवाही शुरू करेगा। आयोग भी स्टेक होल्डर्स के साथ मीटिंग करेगा। फिर जनसुनवाई आयोजित कर निगम के बिजली टैरिफ पर अपना अंतिम निर्णय देगी।

बिजली टैरिफ से लेकर अन्य मदों में है प्रस्ताव

जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बिजली टैरिफ और 2030-31 तक के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता?(एआरआर), एग्रीगेट रेवेन्यू रिक्वायरमेंट और बिजनेस प्लान को लेकर पब्लिक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष दाखिल याचिका के आधार पर जारी किया गया है। इसके आधार पर जेबीवीएनएल ने आम उपभोक्ताओं, उद्योगों और अन्य हित-धारकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

बिजली खरीद पर 8,726 करोड़ रुपए से अधिक खर्च का अनुमान पब्लिक नोटिस में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल बिजली खरीद खर्च 8,726.06 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया है।

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार व व्यवस्था होगी सुदृढ़ : राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में चार दिवसीय पीटीएम शुरू

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में वर्ष 2025-26 में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार एवं विद्यालयी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शुक्रवार से चार दिवसीय तृतीय विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) की शुरुआत हुई। इस अवसर पर अभिभावकों की सक्रिय उपस्थिति में छात्र नामांकन, नियमित उपस्थिति, विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, पीएम-पोषण योजना का आच्छादन, परीक्षाओं की तैयारी तथा रेल परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ सकारात्मक और सार्थक संवाद किया। अभिभावकों की भूमिका अहम : विशेष पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि बच्चों की पढ़ाई, नियमित उपस्थिति और समग्र विकास के लिए विद्यालय एवं अभिभावक मिलकर साझा जिम्मेदारी निभा सकें। इस प्रयास से राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूती मिलेगी।

960 चयनित विद्यालयों में 22 से होगा विशेष पीटीएम

तृतीय विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक के पहले दिन चयनित 960 सरकारी विद्यालयों को छोड़कर अन्य सभी सरकारी विद्यालयों में नियमित पीटीएम आयोजित की गई। 22 से 24 दिसंबर तक विशेष पीटीएम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जन प्रतिनिधियों के अलावा जिलों के उपायुक्त समेत अन्य वरीय शिक्षा पदाधिकारी भी शामिल होंगे। विशेष पीटीएम राज्य के 960 चयनित सरकारी विद्यालयों (480 उच्च प्रदर्शन एवं 480 फोकस विद्यालय) एवं अन्य सभी सरकारी विद्यालयों में चार चरणों में आयोजित की जा रही है। चयनित उच्च प्रदर्शन व फोकस विद्यालयों में प्रति जिला 20-20 विद्यालय शामिल हैं।

50 के पास ही फायर एनओसीःशहर में 5000 लॉज व हॉस्टल, 350 हॉस्टल व लॉज ही रजिस्टर्ड

रांची। 3 फीट चौड़ी गली में घर में खोल दिए हॉस्टल

शहर में 5000 से ज़्यादा लॉज व हॉस्टल चल रहे हैं। बिल्डिंग व घरों में सभी नियमों को तोड़कर हॉस्टल और लॉज खोल दिए गए हैं। एक-एक बिल्डिंग में 400 से ज़्यादा बेड का हॉस्टल बना दिया गया है। लॉज व हॉस्टल बनाने से पहले सभी नियमों की अनदेखी की गई है। आँकड़ों के अनुसार, 350 हॉस्टल व लॉज रजिस्टर्ड हैं। दैनिक भास्कर की टीम ने शुक्रवार को शहर के प्रमुख जगहों पर हॉस्टल व लॉज की पड़ताल की, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

थड़पखना में लड़कियों के लिए 8 हॉस्टल ऐसी जगह चल रहे हैं, जहाँ आने-जाने के लिए मात्र तीन फीट की गली है। आग लगने की स्थिति में इन हॉस्टल व लॉज तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुँचने की कोई संभावना नहीं है। इन हॉस्टल संचालकों ने न तो फायर एनओसी ली है और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। हॉस्टल के गेट पर सीसीटीवी कैमरे तो लगाए गए हैं, लेकिन कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं किया गया है। ऐसे में गर्ल्स हॉस्टल व लॉज में कभी भी कोई बाहरी व्यक्ति प्रवेश कर सकता है। स्टेट फायर ऑफिस में दर्ज आँकड़ों पर गौर करें, तो शहर में 50 से भी कम लोगों ने फायर एनओसी ली है। ऐसे में अगर इन जगहों पर आग लगने की घटनाएँ होती हैं, तो तत्काल नियंत्रण पाना मुश्किल होगा।

3 स्थानों पर हॉस्टल की व्यवस्था से समझिए स्थिति...

सुरक्षा के नाम पर सिर्फ सीसीटीवी, गार्ड तक नहीं

लोहराकोचा: तीन मंजिला भवन में गर्ल्स हॉस्टल का संचालन किया जा रहा है। महिला रिपोर्टर छात्रा बनकर पड़ताल करने पहुँची, तो पता चला कि वार्डन नहीं है।

रांची में एक ही आधार सेवा केंद्र चालूःकाम धीमा होने से सैकड़ों लोग निराश लौट रहे

रांची। स्कूलों का दबाव, 5 साल तक के सभी बच्चों का आधार अपडेट कराएँ

राजधानी रांची के सभी स्कूलों में परमानेंट एजुकेशन नंबर (पेन) बनाने का काम चल रहा है। लेकिन काफी बच्चों का पेन नंबर नहीं बन रहा है, क्योंकि आधार कार्ड में त्रुटि है। स्कूल प्रबंधन की ओर से अभिभावकों को आधार अपडेट कराने और त्रुटि दूर करने का मैसेज भेजा जा रहा है। लेकिन अभिभावक विवश हैं, क्योंकि रांची में आधार सेवा केंद्र की संख्या घट गई है।

रातू रोड में गैलेक्सिया मॉल में स्थित आधार सेवा केंद्र को बंद कर दिया गया है। वहीं, कांटाटोली के इस्टेट प्लाजा में स्थित आधार सेवा केंद्र को कैटेगरी ए से बी में डाल दिया गया है। इस वजह से केंद्र में कंप्यूटर यूनिट की संख्या 16 से घटाकर 8 कर दी गई है। इसका

सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। सुबह 9 बजे से ही लोगों की भीड़ लग रही है और शाम 6 बजे तक 500 से 600 लोगों का काम हो रहा है। सैकड़ों लोग वापस लौट जा रहे हैं।

शुक्रवार को भी दोपहर में लंबे इंतजार के बाद सड़क पर खड़े लोग निराश होकर वापस लौट गए। मूरी से अपने बच्चे का आधार अपडेट कराने पहुँचीं रीता देवी ने कहा कि केंद्र के कर्मचारी किसी भी सवाल का जवाब नहीं देते हैं।

राज्य के 11 जिलों में दो फेज में खुलेंगे आधार केंद्र

रांची, धनबाद और जमशेदपुर के अलावा राज्य के 11 जिलों में भी आधार सेवा केंद्र खुलेंगे। दो फेज में ये नए सेंटर खोले जाएँगे, ताकि वहाँ के लोगों को आधार कार्ड से जुड़े कार्यों के लिए दूसरे जिले में नहीं जाना पड़े।

पहले फेज में देवघर, हजारीबाग, बोकारो, गिरिडीह में नए केंद्र खुलेंगे।

नया साल 2026:रशियन डांसर, कोलकाता के लाइव बैंड के साथ होगा नए साल का स्वागत

रांची। धमाकेदार जश्न को लेकर रांची के होटल व क्लबों में तैयारियां शुरू...

नए साल 2026 के धमाकेदार स्वागत को लेकर रांची के फाइव स्टार होटल और प्रमुख क्लबों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। होटल रेडिशन ब्लू में दिल्ली का मशहूर स्काई हाई बैंड और रांची का प्रसिद्ध बंदिश बैंड अपनी ऊर्जावान धुनों और रंगीन प्रस्तुति के साथ दर्शकों को झुमाएगा।

साथ ही रशियन डांसरों के लाजवाब और रोमांचक प्रदर्शन जश्न की रात को और यादगार बनाएंगे। होटल रमादा में ग्रूव नाइट क्लब में 27 दिसंबर को सेलेब्रिटी डीजे ताशी का परफॉर्मेंस रांची वासियों को झूमने पर विवश करेगा। कोर्टयार्ड बाय मैरियट में डीजे स्काय और अल्विन रोजारियो की लाइव बैंड प्रस्तुति के साथ बॉन्ग क्वीन डांस

ग्रुप का विशेष प्रदर्शन होगा। जिमखाना क्लब में कोलकाता का मशहूर डीजे शोर बाजार थिरकने के लिए मजबूर करेगा।

होटल रेडिशन ब्लू : रांची में इस साल होटल रेडिसन ब्लू मनोहारी संगीत और नृत्य का संगम पेश करने जा रहा है। दिल्ली का मशहूर स्काई हाई बैंड होटल के ग्रांड बॉल रूम में अपनी धुनों और जबरदस्त परफॉर्मेंस के साथ नए साल के स्वागत में रांचीवासियों को झूमने पर मजबूर करेगा। इसके साथ ही रांची का फेमस बंदिश बैंड वाटरफ्रंट रेस्टोरेंट में अपनी मनमोहक धुनों और ताल के जादू से मेहमानों को थिरकने का आमंत्रण देगा। आयोजन में रशियन डांसर भी शामिल होंगे, जिनके लाजवाब परफॉर्मेंस से दर्शक पूरी रात आनंदित होंगे।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट : रांची में नए साल 2026 का भव्य जश्न वीरासत हॉल और स्काईलाइन पूल डेक पर मनाया जाएगा। मेहमान इस उत्सवमयी शाम में विविध प्रकार के व्यंजन, असीमित पेय पदार्थ और रंगारंग मनोरंजन का आनंद ले सकेंगे।

झारखंड के 14 जिलों में घना कोहरा जिलों का तापमान 10 डिग्री के नीच

रांची। झारखंड इन दिनों कड़ाके की ठंड की चपेट में है। इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व दिशा से आ रही नमी भरी हवा है। आलम यह है कि प्रदेश में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। राज्य के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड है। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार अगले तीन दिनों तक राज्य के 14 जिलों में कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड की संभावना बनी रहेगी। इनमें रांची, गुमला, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, देवघर और जामताड़ा जिले शामिल हैं। विभाग ने बताया कि यह स्थिति 22 दिसंबर तक बनी रह सकती है। शीतलहर से हालात, हजारीबाग-पलामू में मौतें कोहरे और बादलों के कारण दिन और रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। कई इलाकों में शीतलहर जैसे हालात बन गए हैं। हजारीबाग में ठंड से दो लोगों की मौत हो गई है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			5					6
			8	7		3		2
2	7		3				8	1
				3	4	9		
7	9	3		5		6	1	4
		8	7	9				
9	2				3		5	7
5		6		8	7			
3					5			

पिछले अंक का उत्तर

1	2	3	8	5	6	4	7	9
4	5	6	9	7	1	8	2	3
7	8	9	3	4	2	1	6	5
6	7	1	4	2	3	5	9	8
3	9	5	6	8	7	2	1	4
2	4	8	1	9	5	6	3	7
8	6	2	7	3	4	9	5	1
9	1	7	5	6	8	3	4	2
5	3	4	2	1	9	7	8	6

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक मामलों में संयम रखें, वाणी से विवाद बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचें। सेहत ठीक रहेगी, फिर भी थकान महसूस हो सकती है।

वृषभ। आज लाभ के संकेत हैं। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। व्यापार में साझेदारी से फायदा होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। निवेश सोच-समझकर करें। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। यह आगे लाभ दिलाएगी। परिवार में कुछ पुरानी गलतफहमियां दूर होंगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, समय निकालकर उनका ध्यान रखें।

मिथुन। दिन थोड़ा व्यस्त रह सकता है। कामकाज में भागदौड़ रहेगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक मिलेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मानसिक तनाव से बचने के लिए ध्यान करें। परिवार में समय अच्छा बीतेगा। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी और पुराने विवाद समाप्त होंगे।

कर्क। आज भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी है। घर-परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव संभव है, खानपान संतुलित रखें। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ तालमेल बेहतर बना रहेगा। सरकारी काम और डॉक्यूमेंटेशन से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

सिंह। आज मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी। राजनीति, प्रशासन या प्रबंधन से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। धन प्राप्ति के योग हैं।

यदि आप किसी नए प्रोजेक्ट या अवसर का इंतज़ार कर रहे थे तो आज अच्छी खबर मिलेगी। पदोन्नति और वेतन वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शेयर बाजार, ट्रेडिंग या निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।

कन्या। आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना फायदेमंद रहेगा। नौकरी में तरक्की के संकेत हैं। व्यापार में नई डील फाइनल हो सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन नींद पूरी लें। लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। किसी को उधार पैसे देना फिलहाल उचित नहीं। प्रॉपर्टी या कानूनी मामलों में सफलता मिल सकती है। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा।

तुला। आज संतुलन बनाए रखना जरूरी है। निर्णय लेते समय जल्दबाजी न करें। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। कला, फैशन और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। यदि आप नौकरी या व्यापार में बदलाव की सोच रहे हैं तो आज सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। आर्थिक रूप से आज का दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक। आज साहस और पराक्रम बढ़ेगा। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर विजय मिलेगी। निवेश से लाभ संभव है। सेहत में सुधार रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में आज भावनाओं की गहराई बढ़ेगी। कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। रक्तचाप और हार्मोन संबंधी समस्याओं में सुधार होगा। आपको जीवनसाथी के लिए किसी सरप्राइज पार्टी का प्लान कर

धनु। आज भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। परिवार में शुभ समाचार मिलेगा। खर्च बढ़ सकता है, लेकिन आय भी बनी रहेगी। यदि आप नौकरी में हैं तो वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में साझेदारी के लिए दिन अनुकूल है, लेकिन दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर सोचसमझकर करें। परिवार में वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा और किसी सदस्य की सफलता आपके लिए गर्व लेकर आएगी। धन लाभ के संकेत बन रहे हैं,

मकर। आज जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभाएंगे। नौकरी में स्थिरता रहेगी। व्यवसाय में धीमी प्रगति होगी। पारिवारिक मामलों में समझदारी से काम लें। सेहत का ध्यान रखें। लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदारी की सराहना भी होगी। व्यापारियों को बड़े निर्णय अभी टालना चाहिए — समय जल्द ही बेहतर होगा। घर-परिवार में कहीं से अप्रत्याशित खर्च बढ़ सकता है। वाहन या संपत्ति संबंधी दस्तावेज़ों में सावधानी रखें।

कुंभ। आज नए विचार और योजनाएं बनेंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी।

करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े लोग नई साझेदारी या तकनीक अपनाने का निर्णय ले सकते हैं, जो भविष्य में लाभ देगा। धन के मामले में स्थिति बेहतर होती दिखाई दे रही है, लेकिन अति खर्च से बचें। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा,

मीन। आज आत्मचिंतन का दिन है। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें, जल्द परिणाम की अपेक्षा न करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा व्यवसाय में धन की आवक होगी, लेकिन निवेश करने से पहले विशेषज्ञ सलाह लेना आवश्यक है। परिवार में किसी बात पर बहस से बचें — शांत रहकर स्थिति संभालें। रिश्तों में गलतफहमियाँ दूर होंगी।

विद्यार्थियों के लिए आज का दिन उत्कृष्ट है — मन पढ़ाई में लगेगा और परिणामों में सुधार होगा। स्वास्थ्य में थकान और सिरदर्द परेशान कर सकता है।

न्यूज़ीलैंड ने 575/8 पर पहली पारी डिक्लेयर की : कॉन्वे का दूसरा दोहरा शतक; दूसरे दिन वेस्टइंडीज का स्कोर 110/0

स्पोर्ट्स डेस्क। डेवोन कॉन्वे इससे पहले 2021 में दोहरा शतक लगाया था। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरे मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए पहली पारी 575 रन पर 8 विकेट खोकर डिक्लेयर कर दी। टीम के लिए डेवोन कॉन्वे ने दोहरा शतक (227) और टॉम लैथम ने शतक (137) लगाया। जवाब में वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 110 रन बना लिए हैं। टीम न्यूजीलैंड से पहली पारी के आधार पर अभी भी 465 रन पीछे है। दोनों ओपनर जॉन कैंपबेल 45 और ब्रैंडन किंग 55 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

कॉन्वे के करियर का छठा शतक

न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के खेल की शुरुआत 1 विकेट पर 334 रन से की। उस समय क्रीज पर डेवोन कॉन्वे 178 रन और जैकब डफी 9 रन बनाकर मौजूद थे। कॉन्वे ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए अपने टेस्ट करियर का दूसरा दोहरा शतक पूरा किया। उन्होंने 367 गेंदों पर 31 चौकों की मदद से 227 रन की पारी खेली, जो उनके टेस्ट करियर का छठा शतक भी रहा। केन विलियमसन 31 और ग्लेन फिलिप्स 29 रन बनाकर आउट हुए।

रचिन रवींद्र ने 72 रन की पारी खेली

मिडिल ऑर्डर में रचिन रवींद्र ने 72 रन की अहम पारी खेली, जबकि एजाज पटेल 30 रन बनाकर नाबाद रहे। पहले दिन लैथम 137 रन बनाकर आउट हुए थे। उन्होंने 246 गेंदों पर 1 छक्का और 15 चौकों की मदद से 137 रन बनाए, जो उनके टेस्ट करियर का 15वां शतक था।

वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजी में जायडन सिल्स, एंडरसन फिलिप और जस्टिन ग्रिव्स ने 2-2 विकेट लिए, जबकि केमार रोच और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला।

तीन टेस्ट मैचों की इस सीरीज में न्यूजीलैंड फिलहाल 1-0 से आगे है। सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था, जबकि दूसरा टेस्ट न्यूजीलैंड ने अपने नाम किया था।

पहले दिन लैथम की सेंचुरी

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। कीवियों ने गुरुवार को मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 334 रन बना डाले हैं। डेवोन कॉन्वे 178 रन पर नाबाद लौटे। जबकि नाइट वॉचमैन जैकब डफी 9 रन पर नाबाद हैं। कप्तान टॉम लैथम 137 रन बनाकर आउट हुए।

बिजनेस न्यूज

बजट-2026 इस बार क्या रविवार को पेश होगा:1 फरवरी को रविदास जयंती की भी छुट्टी, वित्तमंत्री सीतारमण का लगातार 8वां बजट होगा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली बार 5 जुलाई 2019 को लाल कपड़े के कवर में बजट लेकर संसद पहुंचीं।

देश के 80वें बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं, लेकिन इस बार तारीख को लेकर सस्पेंस है। क्योंकि, साल 2026 में 1 फरवरी को रविवार है और उसी दिन गुरु रविदास जयंती भी है।

साल 2025 में गुरु रविदास जयंती 12 फरवरी (बुधवार) को पड़ी थी, जो संसद के बजट सत्र के बीच में थी। इस वजह से दोनों सदनों में उस दिन कोई बैठक नहीं हुई थी। इससे पहले 18 फरवरी, 1981 को भी गुरु रविदास जयंती पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी।

अगर 1 फरवरी को बजट पेश किया जाता है, तो 2017 में बजट की तारीख बदलने के बाद यह पहला मौका होगा, जब रविवार को बजट पेश किया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ये लगातार आठवां और मोदी सरकार के तीसरे टर्म का दूसरा पूर्ण बजट होगा। वे लगातार 8 बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्तमंत्री बन जाएंगी।

सरकार परंपरा को बरकरार रखना चाहती है

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों का कहना है कि सरकार 1 फरवरी की अपनी परंपरा को बरकरार रखना चाहती है। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि बजट की तारीख पर फैसला समय आने पर कैबिनेट कमेटी लेगी।

चांदी 2 लाख के ऊपर बरकरार,शनिवार 1,053 सस्ती हुई : सोने की कीमत में 695 रुपए की गिरावट, 1,31,779/10 ग्राम पहुंचा

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमत में आज (19 दिसंबर) मामूली गिरावट देखी जा रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम सोने की कीमत 695 रुपए घटकर 1,31,779 हो गई है।

गुरुवार को इसकी कीमत 1,32,474 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इससे पहले 15 दिसंबर को सोने की कीमत 1,33,249 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर थी। वहीं, चांदी के दाम आज 1,053 रुपए घटकर ?2,00,067 प्रति किलो पर आ गए हैं। इससे पहले गुरुवार को चांदी ?2,01,120/द्मद्द के ऑल टाइम हाई पर थी।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

की सोने की कीमतों में 3% , मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

कूच बिहार ट्रॉफी: 171 रनों पर सिमटी पश्चिम बंगाल की टीम, यूपी ने आठ विकेट खोकर बनाए 216 रन

स्पोर्ट्स डेस्क। बरेली में खेले जा रहे कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 क्रिकेट मैच में यूपी की टीम का पलड़ा भारी है। यूपी ने तीसरे दिन आठ विकेट खोकर 216 रन बनाए और पश्चिम बंगाल पर 45 रनों की बढ़त हासिल कर ली। आज मैच का आखिरी दिन है।

कूच बिहार ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश बनाम पश्चिम बंगाल के बीच खेला जा रहा मुकाबला - फोटो : संस्थान

बरेली के भोजीपुरा स्थित एसआरएमएस मैदान पर चल रही कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश की टीम ने पहली पारी में पश्चिम बंगाल पर 45 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। तीसरे दिन सुबह कोहरा छंटने और दृश्यता बेहतर होने पर मैच रेफरी प्रकाश भट्ट ने अंपायरों से चर्चा कर 10:20 बजे खेल शुरू कराया। शाम को कम रोशनी के कारण 4:55 बजे खेल रोक दिया गया।

सुबह पश्चिम बंगाल की टीम ने पहले दिन के स्कोर तीन विकेट पर 89 रन से आगे खेलना शुरू किया। आदित्य और अभिप्राय बिस्वास ने आक्रामक तेवर अपनाए पर यह साझेदारी ज्यादा देर तक नहीं चल सकी। आदित्य राय 40 रन बनाकर यश पंवार की गेंद पर युवराज को कैच दे बैठे। अभिप्राय ने 41 रन बनाए। विराट चौहान ने 29 गेंदों पर 32 रन की तेज पारी खेली। अन्य बल्लेबाज उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सके। पूरी टीम 33.1 ओवर में 171 रनों पर सिमट गई। यूपी की शुरुआत भी खराब रही। ओपनर शांतनु सिंह खाता खोले बिना ही सिद्धार्थ घोष की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद अनमोल और युवराज के बीच 128 रनों की साझेदारी हुई। युवराज ने 107 गेंदों पर 75 रन बनाए। उन्हें विराट चौहान ने एलबीडब्ल्यू आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अनमोल ने 68 रन बनाए।

विराट ने झटके पांच विकेट मध्यक्रम में अयान अकरम ने 17, कप्तान भव्य गोयल ने 24 रनों की उपयोगी पारी खेली। तीसरे दिन खेल समाप्त होने तक यूपी की टीम ने 71 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 216 रन बना लिए थे। क्रीज पर कृष्णा 15 रन और यश पंवार चार रन बनाकर नाबाद रहे। पश्चिम बंगाल की तरफ से विराट चौहान ने 15 ओवरों में पांच विकेट झटके। अब मुकाबले के अंतिम दिन उत्तर प्रदेश की टीम अपनी पहली पारी की बढ़त को मजबूत करते हुए पश्चिम बंगाल को जल्दी समेटने की रणनीति के साथ मैदान पर उतरेगी।

एशियाई कप क्वालीफायर में 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश ने रचा इतिहास, इतने साल बाद भारत को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियाई कप क्वालीफायर 2027 में मंगलवार को 183वीं रैंक वाली बांग ?लादेश ने 136वीं रैंक वाली भारतीय टीम को हराकर इतिहास रच दिया। बांग ?लादेश को भारत के खिलाफ ये जीत 22 साल बाद मिली है।

एशियाई कप क्वालीफायर 2027 में मंगलवार को भारत और बांग ?लादेश के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारत को ग्रुप सी के अपने अंतिम मैच से पहले मुकाबले में बांग्लादेश से 1-0 की हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय टीम के अभियान में एक और अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया। वहीं, 183वीं रैंक वाली बांग ?लादेश ने 136वीं रैंक वाली भारतीय टीम को हराकर इतिहास के सुनहरे पन?नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। बांग ?लादेश ने 22 साल बाद भारत के खिलाफ ये पहली जीत दर्ज की है। ज्ञात हो कि दोनों टीमें किक-ऑफ से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। ढाका में खेला गया ये मुकाबला सिर्फ सम?मान बचाने के लिए था, जिसमें भारतीय टीम असफल रही।

शेख मोरसलिन ने 11वें मिनट में दागा गोल

बांग्लादेश के लिए शेख मोरसलिन ने शुरुआती गोल दागा। उन?होंने खचाखच भरे नेशनल स्टेडियम में दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच 11वें मिनट में गोल दागते हुए बांग ?लादेश को 1-0 से बढ़त दिलाई। भारत के पास भी 31वें मिनट में बराबरी का एक बड़ा मौका था, जब गोलकीपर मितुल मार्मा के गलत जगह पर कैच आउट होने के बाद लालियानजुआला चांगटे ने बॉक्स के किनारे जगह बनाई। हालांकि, हमजा चौधरी ने एक अहम हेडर क्लीयरेंस लगाकर गोल होने से रोक दिया। खिलाड़ियों के बीच हुई धक्का-मुक्की मैच के दौरान हाफ टाइम में कुछ विवाद भी देखने को मिला।

10वें टाटा स्टील वर्ल्ड 25के: भारतीय एलीट धावकों में होगी कांटे की टक्कर, गुलवीर और संजीवनी पर रहेंगी नजरें

स्पोर्ट्स डेस्क । इस ऐतिहासिक 10वें संस्करण में दुनिया के कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय एथलीट भी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 1,42,214 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस रेस में पुरुष और महिला वर्ग के लिए समान पुरस्कार रखे गए हैं।

दुनिया की सबसे तेज 25 किलोमीटर रोड रेस में शामिल 10वें टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता में इस बार भारतीय एलीट धावकों के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। 10,000 मीटर और 5,000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह और महिला वर्ग की गत विजेता संजीवनी जाधव इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एक बार फिर खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगी। यह दौड़ रविवार, 21 दिसंबर को आयोजित होगी।

इस ऐतिहासिक 10वें संस्करण में दुनिया के कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय एथलीट भी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 1,42,214 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस रेस में पुरुष और महिला वर्ग के लिए समान पुरस्कार रखे गए हैं। शीर्ष तीन स्थान पाने वाले एथलीटों को क्रमश: तीन लाख, ढाई लाख और दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। इसके अलावा इवेंट रिकॉर्ड तोड़ने पर एक लाख रुपये का अतिरिक्त बोनस भी दिया जाएगा। 23 हजार से अधिक धावक लेंगे हिस्सा इस बार टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता में 23 हजार से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। यह प्रतियोगिता दुनिया की पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल 25के रोड रेस है, जो भारतीय लंबी दूरी के धावकों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करती रही है। गुलवीर सिंह बोले- रिकॉर्ड नहीं, बेहतर प्रदर्शन पर नजर पुरुष वर्ग में अगुवाई कर रहे गुलवीर सिंह, जो मौजूदा भारतीय एलीट चैंपियन और इवेंट रिकॉर्ड धारक हैं, ने कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट में, चिया और सोह को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। सात्विक-चिराग ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है। भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अपने अजेय अभियान को जारी रखते हुए ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मलयेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को हराकर सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद संयम और रणनीतिक सूझबूझ दिखाते हुए पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेताओं को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हरा दिया।

इस तरह वे सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी हैं। ग्रुप बी में सात्विक और चिराग की एकमात्र अजेय जोड़ी को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए सिर्फ एक जीत की जरूरत थी। वे मलयेशियाई

खिलाड़ियों के खिलाफ जीत के रिकॉर्ड में 5-11 से पीछे थे। लेकिन उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव करके अपने विरोधियों को दबाव में लाकर हरा दिया।

साल के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स में भारत की मौजूदगी कम ही रही है। पीवी सिंधू एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने यह खिताब जीता है। उन्होंने 2018 में महिला एकल का खिताब जीता था, जबकि साइना नेहवाल 2011 में फाइनल में पहुंची थीं। युगल में ज्वाला गुट्टा और वी दीजू 2009 सुपर सीरीज फाइनल के मिश्रित युगल फाइनल में पहुंचे थे।

कोरबा में विकास को नई गति देंगे उद्योग मंत्री देवांगन

मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया 2.70 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण

रायपुर। मंत्री श्री देवांगन दोपहर 2 बजे कोरबा जिले के चेकपोस्ट बालको सामुदायिक भवन के पास पहुंचकर वार्ड क्र. 38 लालघाट चेकपोस्ट में 8 लाख रूपए की लागत से निर्मित सामुदायिक मंच का लोकार्पण एवं वार्ड क्र. 38 अंतर्गत रिस्दा में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 30 लाख रूपए, वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में लूड़ी हेम्ब्रों घर से स्व. पवन पटेल घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत अमर सिंह होटल के पास सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 08 लाख रूपए, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में माखन यादव घर से नदी तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 14.50 लाख रूपए, वार्ड क्र. 39 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 30 लाख रूपए, वार्ड क्र. 46 परसाभाठा बालको नवधा पंडाल के पास किचन शेड व कक्ष निर्माण कार्य राशि 15 लाख रूपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

तत्पश्चात् मंत्री श्री देवांगन अपरान्ह 3 बजे बालको के भदरापारा, बरगद चौक के पास विभिन्न निर्माण कार्यों की भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसमें वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्र. 01 शा.प्रा. शाला परसाभाठा एवं प्रा. शाला रिस्दा में अहाता निर्माण कार्य राशि 20 लाख रूपए, वार्ड क्र. 40 अंतर्गत पाड़ीमार बालको चिंतामणी साहू के घर से स्वास्थ्य केन्द्र तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 05 लाख रूपए, वार्ड क्र. 36 पाड़ीमार बालकोनगर (जे.एन. दुबे मोहल्ला) में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 25 लाख रूपए, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत पाड़ीमार क्र. 02 पार्षद घर के पीछे तालाब के चारो ओर सी.सी. रोड एवं उन्नयन कार्य राशि 15 लाख रूपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन शाम 4 बजे बालको के दैहानपारा राधा कृष्ण मंदिर के पास (कॉफी पाईंट रोड) विभिन्न निर्माण कार्यों की भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसमें वार्ड क्र. 42 अंतर्गत बालको नगर दैहानपारा स्थित शिव मंदिर के पास मिश्रा तालाब का जीर्णोद्धार कार्य राशि 15 लाख रूपए, वार्ड क्र. 42 दैहानपारा राखड़ डेम के पास एसएलआरएम सेंटर का निर्माण कार्य राशि 27.70 लाख रूपए, वार्ड क्र. 43 कैलाश नगर में सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य राशि 20 लाख रूपए, वार्ड क्र. 47 अंतर्गत स्थित शासकीय माध्यमिक शाला रूमगरा में नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य लागत राशि 16.85 लाख रूपए शामिल हैं।

मंत्री श्री देवांगन शाम 5 बजे होटल 4 सीजन, नहर रोड कोरबा पहुंचकर यूरो किड्स स्कूल के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर शाम 6 बजे अयोध्यापुरी, जैलगांव, जमनीपाली पहुंचकर श्री मनहरण लाल यादव के यहाँ पारिवारिक (शोक) कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत निवास चारपारा कोहड़िया कोरबा के लिए प्रस्थान करेंगे।

महासमुंद में आम आदमी पार्टी की लोकसभा स्तरीय संगठन बैठक संपन्न

महासमुंद जिला कार्यालय आम आदमी पार्टी में महासमुंद लोक सभा एवं रायपुर लोकसभा की बैठक संपन्न हुई जिसमें दो लोकसभा के 5 जिलाध्यक्ष उपस्थित थे। इसमें 17 विधानसभा आते हैं। 17 विधानसभा के संगठन के लिए विशेष चर्चा किया गया। बैठक सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक लगातार चली। छत्तीसगढ़ में इस बार परिवर्तन की लहर है। पूरे छत्तीसगढ़ में गाँव में सभी जगह वाल पेंटिंग कराया जा रहा और गाँव की समस्याओं को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है और भविष्य में भी आन्दोलन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ की जनता तीसरे विकल्प की तलाश कर रही है। आम आदमी पार्टी विगत कई दिनों से छत्तीसगढ़ पूरे राज्य में कई आंदोलन किया गया जिसमें बिजली बिलवृद्धि किसान धान खरीदी रजिस्ट्री शुल्क वृद्धि शिक्षकों को जो एक आदेश जारी किया गया था। कुत्तों की रखवाली खाद संकट एसआईआर हेतु शिक्षक युक्तिकरण शराब घोटाला एवं अन्य आन्दोलन का समीक्षा किया गया। जनता पिछले 25 वर्षों से दोनों सरकार को दोनों पार्टियों को देख चुकी है। लोकतंत्र का असली मतलब होता है परिवर्तन और वैसे भी छत्तीसगढ़ की जनता परिवर्तन चाहती है।

बैठक में उपस्थित रायपुर के जिलाध्यक्ष श्री नवनीत नंदे। धमतरी के जिलाध्यक्ष श्री विनोद सचदेवा बलौदा बाजार के जिलाध्यक्ष भुवनेश्वर डेहरिया गरियाबंद के जिलाध्यक्ष चमन यादव एवं महासमुंद के जिलाध्यक्ष राकेश झाब। इसके अलावा इमरान खान प्रदेश अध्यक्ष यूथ श्री संजय यादव प्रदेश सचिव एवं अजीम खान लोकसभा प्रभारी रायपुर श्री महेश। यादव लोकसभा प्रभारी महासमुंद सागर छीलसागर लोकसभा संगठन मंत्री नरेन ठाकुर महासचिव एवं संगठन के सचिव मधु यादव और अन्य कार्यकर्ता जितेंद्र साहू ऋषभ जैन हरिशंकरजीठिया मनीषा पुरोहित बंजारे। ललित नागरची तानेशनिर्मणकर अन्य प्रमुख कार्यकारिणी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

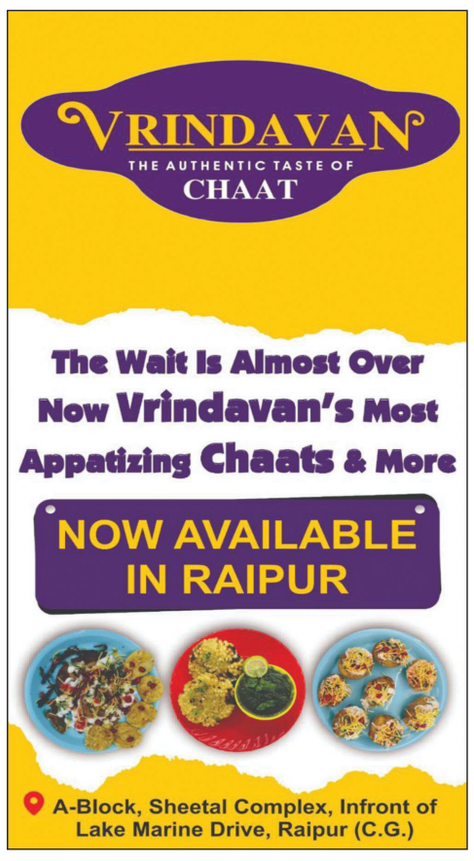

रायगढ़ में फिर मिला हाथी शावक का शव...

रायगढ़ । रायगढ़ जिले में एक बार फिर हाथी शावक का शव बरामद हुआ है। रायगढ़ वन मंडल के बड़झरिया गांव में तालाब के पास हाथी के शावक का शव मिला है। शावक की उम्र तकरीबन छह महीने की है। आशंका जताई जा रही है कि, नहाने के दौरान पानी में डूबने से शावक की मौत हुई है।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद वन अमला मौके पर पहुंचा हुआ और मामले की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि, बढ़झरिया इलाके में 32 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। शुक्रवार की देर शाम भी हाथी तालाब के इर्द-गिर्द देखे गए थे।

पीएम के बाद मौत का कारण होगा स्पष्ट

शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने तालाब के किनारे हाथी के शावक का शव देखा इसके बाद वन अमले को इसकी सूचना दी। घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची हुई है। शव के पंचनामा के बाद पीएम की कार्रवाई की जा रही है। हाथियों की बड़ी संख्या को देखते हुए वन अमले ने आसपास के इलाकों में अलर्ट जारी किया है। मामले में अधिकारियों का कहना है कि, पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा।

सरगुजा में घना कोहरा, रायपुर में 8.3° रात का पारा

रायपुर। उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में शीतलहर का असर देखा जा रहा है। सरगुजा में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। ठंड से बचने के लिए लोग सुबह और शाम के समय अलाव का सहारा ले रहे हैं।

वहीं पेंड्रा में भी लगातार ठंड बढ़ रही है। यहां भी सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण विजिबिलिटी घटकर केवल 30 मीटर तक रह गई। लोगों को लाइट जलाकर वाहन चलाना पड़ रहा है।

राज्य के 6 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मैनपाट में न्यूनतम तापमान करीब 4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अंबिकापुर में 5.8 डिग्री, पेंड्रा रोड में 7 डिग्री, रायपुर में 8.3 डिग्री, दुर्ग में 9 डिग्री, जगदलपुर 9.5 डिग्री, राजनांदगांव में 10 डिग्री और बिलासपुर में 10.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684